RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 116 ता. 29 अक्टूबर 2021, शुक्रवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

राज्यसभा के संवाद में पिछले 4 सालों में कई गुना वृद्धि, लोगों को यहां के कामकाज के बारे में मिली जानकारी

नई दिल्ली। राज्यसभा के कामकाज के बारे में लोगों को मीडिया के जरिये जानकारी देने से जुड़े सार्वजनिक संचार में पिछले चार साल में कई गुना वृद्धि हुई है। राज्यसभा सचिवालय के मुताबिक उच्च सदन के सभापति के रूप में एम. वेंकैया नायडू के इस कार्यकाल में 2012 से 2017 के पांच वर्षों की तुलना में संवाद प्रति सप्ताह 4.5 गुना अधिक रहा। बयान के मुताबिक, अगस्त 2017 मे नायडू के पदभार संभालने के बाद सदन एवं सचिवालय के कामकाज के संबंध में 491 विज्ञप्तियां जारी की गईं। इन चार वर्षों में सचिवालय की मीडिया इकाई ने 263 विज्ञप्तियां और सभापति कार्यालय ने 228 विज्ञप्तियां जारी की। वहीं, 2012 से 2017 के दौरान 135 मीडिया संवाद जारी हुए थे। सचिवालय द्वारा इस संबंध में एक रिपोर्ट सभापति नायडू को सौंपी गई थी। नायडू का कहना था कि राज्यसभा की कार्यवाही के बारे में

लोगों को अधिक से अधिक जानकारी होनी चाहिए। संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से शुरू हो सकता है। संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से शुरू होकर 23 दिसंबर तक जारी रह सकता है। कोरोना महामारी के मद्देनजर, संसद का शीतकालीन सत्र पिछले साल आयोजित नहीं किया गया था और इसके बाद के सभी सत्रों, बजट और मानसून सत्रों की समय सीमा में भी कटौती की गई थी। इस बार शीतकालीन सत्र का कुछ खास महत्व है क्योंकि यह राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले होगा। इन चुनावों को 2024 के आम चुनावों के लिए 'सेमीफाइनल' के रूप में देखा जा रहा है।

गलतफहमी में जी रहे राहुल गांधी, अगले कई दशकों तक BJP होगी बड़ी प्लेयर; प्रशांत किशोर की दो टूक

पणजी। भारतीय राजनीति में अगले कई दशकों तक बीजेपी का दबदबा रहने वाला है और मोदी युग के अंत का इंतजार करना कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गलती है...यह कहना है चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का। प्रशांति किशोर हाल ही में गोवा दौरे पर थे, जहां उन्होंने साफ कहा कि उनका मानना है कि अगले कई दशकों तक बीजेपी से लड़ना होगा। प्रशांत किशोर फिलहाल बंगाल सीएम ममता बनर्जी के लिए पर्दे के पीछे रहकर काम कर रहे हैं।

इसी साल हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी को जीताने के बाद किशोर ने ऐलान किया था कि वह ममता बनर्जी के साथ काम नहीं कर रहे हैं। हालांकि, खबरें यह भी आईं कि प्रशांत किशोर कांग्रेस जॉइन कर सकते हैं लेकिन कई दौर की वार्ता के बाद भी बात न बनने पर अब प्रशांत किशोर एक बार फिर से टीएमसी के साथ काम कर रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले गोवा भी वह टीएमसी की जमीन

तलाशने ही पहुंचे हैं।

दशकों तक बीजेपी के दबदबे की भविष्यवाणी करने के साथ ही प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह संभवतः किसी वहम में हैं कि बीजेपी सिर्फ मोदी लहर तक ही सत्ता मे रहने वाली है।

प्रशांत किशोर ने गोवा के म्यूजियम में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, बीजेपी चाहे जीते या हारे, लेकिन वह भारतीय राजनीति के केंद्र में रहेगी। ठीक वैसे ही जैसे कांग्रेस के 40 साल थे। बीजेपी कहीं नहीं जा रही। एक बार आप भारत में 30 फीसदी वोट पा लेते हैं तो आप इतनी जल्दी कहीं नहीं जा रहे। इसलिए इस चक्रव्यूह में कभी न फंसे कि लोग गुस्सा हो रहे हैं और वे मोदी को उखाड़ फेंकेंगे। हो सकता है लोग मोदी को हटा दें, लेकिन बीजेपी फिर भी कहीं नहीं जा रही। आपके अगले कई दशकों तक बीजेपी का सामना करना पड़ेगा।

मोदी की ताकत समझ नहीं रहे राहुल

प्रशांत किशोर यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी के साथ यही समस्या है। संभवतः, वह सोचते हैं कि यह कुछ समय की बात है, जब तक लोग मोदी को सत्ता से बेदखल न कर दें। यह नहीं होने वाला। प्रशांत किशोर ने कहा, जब तक आप मोदी की ताकत समझ नहीं लेते और उनकी मजबूती को मान नहीं लेते, तब तक आप उनका सामना नहीं कर पाएंगे। मुझे जो समस्या दिखती है वह यह है कि लोग मोदी की ताकतों को समझने में ज्यादा समय नहीं दे रहे, वे ये नहीं समझ रहे कि मोदी इतने पॉप्युलर कैसे हो रहे हैं। अगर आपको यह पता होगा, तब ही आप उनका सामना कर सकेंगे।

इसी साल हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी को जीताने के बाद किशोर ने ऐलान किया था कि वह ममता बनर्जी के साथ काम नहीं कर रहे हैं। हालांकि, खबरें यह भी आईं कि प्रशांत किशोर कांग्रेस जॉइन कर सकते हैं लेकिन कई दौर की वार्ता के बाद भी बात न बनने पर अब प्रशांत किशोर एक बार फिर से टीएमसी के साथ काम कर रहे हैं।

मोदी के हटने का इंतजार कर रहे कांग्रेसी

कांग्रेस पार्टी बीजेपी और नरेंद्र मोदी का भविष्य किस तरह देखती है, इसपर किशोर ने कहा, आप कांग्रेस के किसी भी नेता के पास चले जाइए, वे आपसे कहेंगे कि यह कुछ समय की बात है, लोग तंग आ रहे हैं, सत्ता विरोधी लहर आएगी और लोग मोदी को हटा देंगे। मुझे इसपर शक है, यह नहीं होने जा रहा है। प्रशांत किशोर ने यह उदाहरण भी दिया कि कैसे मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दामों में इतनी बढ़ोतरी कर दी और उनके खिलाफ जनता में कोई बड़ा आक्रोश तक नहीं दिखा।

कांग्रेस के पतन का कारण वोटों का बंटवारा

प्रशांत किशोर ने देश में वोटरों के बंटे होने पर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, अगर आप मतदाताओं के स्तर पर देखें तो यह एक तिहाई और दो तिहाई के बीच की लड़ाई है। सिर्फ एक तिहाई जनता ही बीजेपी के लिए वोट कर रही है या बीजेपी को सपोर्ट करना चाहती है। समस्या यह है कि दो तिहाई वाला हिस्सा 10, 12 या 15 राजनीतिक पार्टियों के बीच बंटा है और कांग्रेस के पतन की यही सबसे बड़ी वजह है। 65 प्रतिशत वोटर बंट गए हैं, इसलिए कांग्रेस नीचे आती जा रही है।

हरियाणा में बड़ा हादसा

तेज रफ्तार ट्रक ने आंदोलनकारी महिला किसानों को कुचला, 3 की मौत

झज्जर। हरियाणा के झज्जर जिले में आज सुबह-सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में आज सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने आंदोलनकारी किसान महिलाओं को कुचल दिया, जिसमें 3 की मौत हुई और तीन गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि ये तीनों मृतक आंदोलनकारी महिलाएं पंजाब के मानसा जिले की थीं और किसान आंदोलन रोटेशन के तहत अब वे घर निकलने वाली थीं। बताया जा रहा है कि ये महिलाएं आज सुबह करीब 6 बजे बहादुरगढ़ में डिवाइडर पर बैठकर घर जाने को ऑटो का इंतजार कर रही थीं। तभी तेज

रफ्तार ट्रक ने कूचल दिया, जिसमें तीन बुजुर्ग किसान महिलाओं की मौत हो गई और कई घायल बताए जा रहे हैं। हादसे बाद ट्रक का ड्राइवर फरार हो गया है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है और मामले की जांच कर रही है।

बता दें कि केंद्र सरकार के तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले साल नंबर से ही दिल्ली की सीमाओं से लेकर पंजाब और हरियाणा तक में किसानों का आंदोलन जारी है। ये किसान पिछले एक साल से कृषि कानूनों की वापसी के लिए अलग-अलग जगहों पर डटे हुए हैं। माना जाता है कि किसान आंदोलन में रोटेशन के तहत आंदोलनकारी भाग लेते हैं।

पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की मुश्किलें बढ़ीं, गैर जमानती वारंट की मांग लेकर कोर्ट पहुंची मुंबई पुलिस

मुंबई। वसूली के आरोपों में फंसे मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, मुंबई क्राइम ब्रांच ने परमबीर सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट की मांग लेकर कोर्ट का रुख किया है। अब इस मामले पर सुनवाई 29 अक्तूबर को होगी। वहीं अब इस मामले पर जानकारी देते हुए मुंबई क्राइम ब्रांच ने कहा कि हमने नौ अक्तूबर को वसूली मामले में पूछताछ के लिए परमबीर सिंह को समन भेजा था पर वो नहीं आए और ना ही किसी तरह का उचित जवाब दिया। इसके बाद ही हमने कोर्ट का रुख किया है। परमबीर के खिलाफ राज्य में कम से कम पांच आपराधिक मामले सामने आने और देश छोड़कर भागने की आशंका के बाद ताजा नोटिस दायर किया गया था।

बिमल अग्रवाल के आरोप पर परमबीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज

बिल्डर सह होटल व्यवसायी बिमल अग्रवाल की शिकायत पर गोरेगांव थाने में

परमबीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अग्रवाल ने आरोप लगाया था कि परमबीर सिंह रेस्टोरेंट पर छापेमारी में बचने के लिए उनसे 9 लाख रुपये की जबरन वसूली की, और उन्हें उनके लिए लगभग 2.92 लाख रुपये के दो स्मार्टफोन खरीदने के लिए मजबूर किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि घटना जनवरी 2020 से मार्च 2021 के बीच हुई। प्राथमिकी में परमबीर सिंह के अलावा बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे, सुमित सिंह उर्फ चिंटू, अल्पेश पटेल, विनय सिंह उर्फ बबलू और गैंगस्टर छोटा शकील के गुर्गे रियाज भाटी को आरोपी बनाया गया है।

एंटीलिया मामले में गई थी परमबीर सिंह की कुर्सी

बता दें कि दक्षिण मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया के पास विस्फोटकों वाली एक एसयूवी के मामले में सचिन वाजे की गिरफ्तारी के बाद परमबीर सिंह को मुंबई पुलिस प्रमुख के पद से हटा दिया गया और होमगार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद परमबीर सिंह ने राज्य के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख पर आरोप लगाया कि उन्होंने सचिन वाजे को मुंबई के होटलों और बार से हर महीने 100 करोड़ रुपये लेने के लिए कहा था, हालांकि इस आरोप से देशमुख ने इनकार किया।

सीसीआई की सख्ती-मनमानी कीमतें तय करने में शराब कंपनियों पर छापेमारी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने बुधवार को तथाकथित मनमाने तरीके से कीमतें तय करने के मामले में दो शराब कंपनियों एसोसिएट अल्कोहल एंड ब्रेवरीज और सोम डिस्टिलरीज के कार्यालयों पर छापा मारा। दो सूत्रों ने बताया कि दोनों कंपनियों पर मिलीभगत कर कीमतें तय करने और एंटी-ट्रस्ट नियमों के उल्लंघन का आरोप है। मामले की जांच के तहत सीसीआई के अधिकारी कई शहरों में तलाशी और जब्ती अभियान चल रहे थे। सूत्रों ने कहा, आयोग तथाकथित देशी शराब या कम कीमत वाली स्थानीय रूप से निर्मित शराब की कीमत तय करने के मामले में जांच की तैयारी कर रही है। भारत में शराब उद्योग के लिए सख्त नियम हैं। छापेमारी की खबर के बाद एसोसिएटेड अल्कोहल के शेयरों में करीब 3त्न की गिरावट आई। एसोसिएटेड की वेबसाइट पर मिली जानकारी के मुताबिक, कंपनी मध्य प्रदेश में शराब बेचती है और यह राज्य सरकार के लिए सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता है। एजेंसी

हमें कीमतें तय करने का अधिकार नहीं-प्रवक्ता-छापेमारी पर सीधे टिप्पणी किए बिना सोम डिस्टिलरीज के एक प्रवक्ता ने कहा कि शराब की कीमतें सरकारी अधिकारियों ने तय की थी। इसके लिए हमारे पास कोई अधिकार नहीं है। इस पर पूरी तरह सरकार का नियंत्रण है। हालांकि, सीसीआई और एसोसिएटेड अल्कोहल ने मामले में कोई टिप्पणी नहीं की। सीसीआई ने इससे पहले गुटबंदी को लेकर दिग्गज बीयर कंपनी यूनाइटेड ब्रेवरीज पर 10.2 करोड़ डॉलर और कार्ल्सबर्ग इंडिया पर 1.6 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया था। इसके कुछ सप्ताह बाद ही आयोग ने एसोसिएट अल्कोहल एंड ब्रेवरीज और सोम डिस्टिलरीज के कार्यालयों पर छापेमारी की है।

80 फीसदी से अधिक भारतीय जोखिम में, देश के 463 जिलों में जलवायु खतरा चरम पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश में असम, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और बिहार बाढ़, सूखा और चक्रवात जैसी जलवायु संबंधी चरम घटनाओं के लिए सबसे ज्यादा जोखिम वाले राज्य हैं। यह बात क्लाइमेट वल्नेरेबिलिटी इंडेक्स में सामने आई है, जिसे बुधवार को काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) ने जारी किया है। इतना ही नहीं 80 प्रतिशत से अधिक भारतीय जलवायु संबंधी चरम घटनाओं के जोखिम वाले जिलों में रहते हैं। अध्ययन में कहा गया है कि भारत के 640 जिलों में से 463 जिले अत्यधिक बाढ़, सूखे और चक्रवात के जोखिम के दायरे में हैं। इनमें से 45 प्रतिशत से अधिक जिले अस्थिर परिदृश्य और बुनियादी ढांचे में बदलावों का सामना कर चुके हैं। इसके अलावा, 183 हॉटस्पॉट (सबसे ज्यादा घटनाओं वाले) जिले जलवायु संबंधी एक से अधिक चरम घटनाओं के लिए अत्यधिक जोखिम की चपेट में हैं। सीईईडब्ल्यू के अध्ययन में यह भी पाया गया है कि 60 प्रतिशत से अधिक जिलों में मध्यम से निम्न स्तर तक की अनुकूलन क्षमता मौजूद है। असम में धेमाजी और नागांव, तेलंगाना में खम्मम, ओडिशा में गजपति, आंध्र प्रदेश में विजयनगरम, महाराष्ट्र में सांगली और तमिलनाडु में चेन्नई, भारत के सबसे ज्यादा जोखिम वाले जिलों में

शामिल हैं। अध्ययन के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए बाढ़, मध्य और दक्षिण भारत के राज्यों के लिए भीषण सूखे का जोखिम सबसे ज्यादा है। इसके अलावा पूर्वी और दक्षिणी राज्यों के कुल जिलों में क्रमशः 59 और 41 प्रतिशत जिले भीषण चक्रवातों के जोखिम की चपेट में हैं।

63 प्रतिशत जिलों के पास प्रबंधन योजना

अध्ययन में कहा गया है कि केवल 63 प्रतिशत जिलों के पास ही जिला आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) उपलब्ध है। लेकिन इन योजनाओं को प्रति वर्ष अद्यतन बनाने (अपडेट करने) की जरूरत होती है, इस लिहाज से 2019 तक इनमें से सिर्फ 32 प्रतिशत जिलों ने ही अपनी योजनाएं अपडेट की थी। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, ओडिशा, कर्नाटक, और गुजरात जैसे ज्यादा जोखिम वाले राज्यों ने हाल के वर्षों में अपने डीडीएमपी और जलवायु परिवर्तन-रोधी मुख्य बुनियादी ढांचों में सुधार किया है।

भारत को अन्य देशों के साथ साझेदारी करनी चाहिए-सीईईडब्ल्यू के सीईओ डा. अरुणाभा घोष ने कहा कि लगातार और बड़े पैमाने पर होने वाली जलवायु संबंधी चरम घटनाओं के खिलाफ संघर्ष भारत जैसे विकासशील देशों को आर्थिक रूप से कमजोर बनाने वाला है। इसलिए कॉप-26 में, विकसित देशों को 2009 से अटके 100 अरब डॉलर की मदद के वादे को पूरा करके भरोसे को दोबारा जीतना चाहिए और आने वाले दशकों में क्लाइमेट फाइनांस को बढ़ाने का वादा भी करना चाहिए।

पेगासस जासूसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने क्यों कहा- राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर सरकार को खुली छूट नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इस्त्राइली सॉफ्टवेयर कंपनी पेगासस से देश में आम नागरिकों, पत्रकारों, नेताओं की जासूसी के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। सेवानिवृत्त जज जस्टिस आरवी रवींद्रन की निगरानी में तीन सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन करते हुए शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार पर कड़ी टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमण, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने कहा, देश के हर नागरिक को निजता के उल्लंघन से सुरक्षा देना जरूरी है। सरकार को हर बार बस यह कह देने से खुली छूट नहीं मिल सकती कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला है। कोर्ट मूकदर्शक नहीं रह सकता। पीठ ने कहा कि कानून-शासित लोकतांत्रिक देश में नागरिकों की विवेकहीन जासूसी की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह सिर्फ संविधान के तहत कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के पालन और पर्याप्त वैधानिक सुरक्षा उपायों के बाद ही संभव है। ऐसा न करने से प्रेस की आजादी पर भी निगरानी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

पत्रकारिता के स्त्रोतों की हिफाजत प्रेस की आजादी की बुनियादी शर्तों में से एक है। सुप्रीम कोर्ट ने आठ सप्ताह के बाद मामलों की सुनवाई करने का निर्णय करते हुए कहा, तकनीकी समिति निजता के अधिकार, इंटरसेप्शन की प्रक्रिया और भारतीय नागरिकों की निगरानी में विदेशी एजेंसियों की भागीदारी से जुड़े मुद्दों पर विचार करेगी।

शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ पत्रकार एन राम सहित अन्य याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाए विभिन्न प्रासंगिक बिंदुओं को स्पष्ट करने के लिए एक विस्तृत हलफनामा दायर करने के बजाय राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को उठाने के लिए केंद्र सरकार की खिंचाई की। पीठ ने कहा, केंद्र सरकार को हर बार राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे की आड़ में राहत नहीं दी जा सकती है।

केंद्र ने नहीं किया खंडन, इसलिए जांच-सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इस मुद्दे में केंद्र द्वारा कोई विशेष खंडन नहीं किया गया है। इस प्रकार हमारे पास याचिकाकर्ता की दलीलों को प्रथम दृष्टया स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

सभ्य लोकतांत्रिक समाज के सदस्यों को सूचना क्रांति के इस दौर में निजता की उचित अपेक्षा होती है। ये निजता, मात्र पत्रकारों या सामाजिक कार्यकर्ताओं की चिंता नहीं है। भारत के हर नागरिक को निजता के उल्लंघन से बचाना चाहिए। -सुप्रीम कोर्ट

रिटायर्ड जस्टिस रवींद्रन करेंगे समिति की निगरानी

पीठ ने कहा, जस्टिस रवींद्रन की निगरानी में तीन सदस्यीय तकनीकी समिति जासूसी के आरोपों की सच्चाई की जांच करेगी और जल्द रिपोर्ट पेश करेगी।

तकनीकी समिति में राष्ट्रीय फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, गांधीनगर के डीन डॉ नवीन कुमार चौधरी, अमृता विश्वविद्यापीठम, केरल के प्रोफेसर डॉ. प्रभारन पी. और आईआईटी बॉम्बे के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अश्विन अनिल गुमस्ते को शामिल किया है।

जस्टिस (रि.) रवींद्रन की मदद पूर्व आईपीएस अधिकारी आलोक जोशी व अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रो-टेक्निकल आयोग से जुड़े डॉ. संदीप ओबेरॉय करेंगे।

इन कारणों से जांच = सभी नागरिकों पर हो सकता है?जासूसी का असर

निजता और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों के हनन का आरोप, जिसकी जांच जरूरी है।

आरोपों के झकझोर देने वाले संभावित प्रभाव से सभी नागरिकों पर होगा असर।

भारत सरकार ने अपने निर्णय के बारे में स्पष्ट रुख नहीं अपनाया।

आशंका है, कुछ विदेशी प्राधिकरण, एजेंसियां या निजी शक्तियां देश के नागरिकों को सर्विलांस पर रख रही हों।

बाहरी देशों के आरोपों व विदेशियों की संलिप्तता से उत्पन्न गंभीर स्थिति।

यह आरोप कि नागरिक अधिकारों के हनन में केंद्र या राज्य सरकारें शामिल हो सकती हैं।

सार समाचार

कोरोना गाइड लाइन को ध्यान में रखकर इसबार होगी स्वर्णमयी माँ अन्नपूर्णा के दर्शन

वाराणसी। प्रत्येक वर्ष धनतेरस से शुरू होने वाली स्वर्णमयी माँ अन्नपूर्णा का दर्शन इस वर्ष 02 नवंबर से यानी धनतेरस पर्व से शुरू होगा। जो 05 नवंबर अन्नकूट पर्व तक चलेगा। दर्शन-पूजन और आयोजन के संदर्भ में गुरुवार को बांसफाटक स्थित श्रीकाशी अन्नपूर्णा अन्नक्षेत्र ट्रस्ट के दुसरीं शाखा के सभागार में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें महंत शंकरपुरी ने बातचीत में बताया कि इस वर्ष भी पूरा विश्व कोरोना महामारी जूझ रहा है। बाबा विश्वनाथ और मां भगवती के आशीर्वाद से अब सारी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे पटरी पर आ गई है, लेकिन खतरा अभी भी टला नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि धनतेरस 02 नवंबर से शुरू हो रहे स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के दर्शन के दौरान कोविड-19 के बचाव के लिए जारी गाइडलाइन का पालन कराते हुए ही भक्तों को दरबार में प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही सभी कोरोना प्रोटोकॉल को पूरा करते हुए भक्त मन्दिर के प्रथम तल पर स्थित माता के भव्य दर्शन करेंगे और इतना ही नही गेट पर ही माता का खजाना और लावा वितरण का कार्यक्रम भक्तों में किया जाएगा। केवल पहले दिन ही भक्तों को पीछे के रास्ते से राम मंदिर परिसर से होते कालि मन्दिर के प्रबन्धक काशी मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर में जगह-जगह वालेंटियर तैनात किए जाएंगे।

दिल्ली पुलिस सब इंस्पेक्टर के घर सीबीआई का छापा, 1.12 करोड़ नकद बरामद

नयी दिल्ली।केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार दिल्ली पुलिस उपनिरीक्षक के आवास पर छापे के दौरान 1.12 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मैदान गढ़ी थाने में तैनात भोजराज सिंह को बुधवार को 50 हजार रुपये की कथित रूप से रिश्वत लेते पकड़ा गया था। अधिकारियों ने कहा कि उनकी कार की तलाशी के दौरान, सीबीआई ने 5.47 लाख रुपये से अधिक नकद बरामद किया, जबकि उनके आवास पर तलाशी के दौरान 1.07 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। सीबीआई प्रवक्ता आर सी जोशी ने बताया, ''मैदान गढ़ी पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक के खिलाफ शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि उसने शिकायतकर्ता और उसके दोस्त को पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में सहयोग करने और जमानत याचिकाओं का विरोध नहीं करने के लिए शुरू में पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी और बाद में गत 27 अक्टूबर को कम से कम दो लाख रुपये देने को कहा था।'' अधिकारियों ने बताया कि आरोपों की पुष्टि के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और कथित तौर पर रिश्वत लेते हुए सिंह को गिरफ्तार कर लिया। जोशी ने कहा, ''गिरफ्तार आरोपी को गुरुवार को दिल्ली की संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा।

पटाखों के इस्तेमाल और खरीद-बिक्री पर प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर दिसंबर में होगी सुनवाई

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह दीपावली के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर दिसंबर में सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने मामले को 13 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया क्योंकि याचिकाकर्ता के मुख्य वकील आज उपलब्ध नहीं थे। उच्च न्यायालय ने जब कहा कि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में पटाखों के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध से संबंधित ऐसा ही मामला उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी लंबित है, तो दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि शीर्ष अदालत में इसे बृहस्पतिवार को ही सूचीबद्ध किया गया। उच्च न्यायालय दो व्यक्तियों-राहुल सांवरिया और तनवीर द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिन्होंने दावा किया है कि दिल्ली सरकार का पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय अनुचित है क्योंकि शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में कभी भी पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध का आदेश नहीं दिया है।

परमबीर सिंह पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए मुंबई पुलिस पहुंची कोर्ट

मुंबई। मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। बीते दिनों उनके वेतन रोके जाने की खबर सामने आई थी। अब क्राइम ब्रांच की तरफ से परमबीर सिंह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई गई है। उगाही कांड की जांच कर रही क्राइम ब्रांच के मुताबिक परमबीर सिंह का कोई सुराग नहीं मिल रहा है। कल अर्जी पर 29 अक्टूबर को सुनवाई होगी। समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परम बीर सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के लिए एस्प्लेनेड कोर्ट के समक्ष एक याचिका दायर की। उसके खिलाफ उगाही के एक मामले में कोई सुराग नहीं मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने कोर्ट का रुख किया है।

पंजाब की स्थिति को संभालने में जुटे राहुल गांधी ! मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से 2 घंटे तक की बात

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से मुलाकात की। इस दौरान संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और पंजाब कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी भी मौजूद रहे। आपको बता दें कि राहुल गांधी और चरणजीत सिंह चन्नी के बीच में करीब 2 घंटे तक बातचीत हुई।

अखिलेश यादव बोले- चुनाव में खदेड़ा तो होगा ही,यूपी से भाजपा का सफाया भी होगा

लखनऊ। (एजेंसी)।
समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा का उत्तर प्रदेश से सफाया हो जाएगा। सपा प्रमुख ने आजमगढ़ के दुर्गा जी इंटर कॉलेज में मेधावी छात्रों को लैपटॉप वितरित करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, आजमगढ़ समाजवादी लोगों का गढ़ है और इस बार ऐसा कुछ होगा जिसकी भाजपा ने कल्पना भी नहीं की होगी।

भारतीय जनता पार्टी का सफाया होगा क्योंकि इन लोगों ने आपकी नौकरी का सफाया किया है। समाजवादी पार्टी (सपा) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव गठबंधन कर लड़ने का औपचारिक ऐलान किया था। सुभासपा के 19वें स्थापना दिवस के मौके पर यहां आयोजित वंचित, पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक भागीदारी महापंचायत में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सुभासपा के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी द्वारा दिए गए खेला होबे के नारे की तर्ज पर उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में खदेड़ा होवे का नारा दिया। बृहस्पतिवार को आजमगढ़ में किसानों से मुखातिब होते हुए अखिलेश यादव ने कहा किसान भाइयों बताओ आप भाजपा का सफाया करेंगे कि नहीं , आपकी फसल चौपट हो गई, नौकरी रोजगार हैं नहीं, नौजवान क्या सपने देखें, जब तक नौजवान सपने नहीं देखेगा तब तक देश तरक्की नहीं कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को समस्याओं का प्रदेश बना दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने अपनी सरकार में नई पीढ़ी को लैपटॉप दिया। मैंने कहा था कि जब कोई नया सपना देखोगे तो यह लैपटॉप मदद करेगा। किसी भी गांव में चले जाओगे तो कोई न कोई बच्चा जरूर मिल जाएगा जिसके पास हमारा दिया लैपटॉप होगा और उसे आन करोगे तो आज भी नेताजी (मुलायम सिंह यादव) और हम ही लोग नजर आएंगे। आजमगढ़ के मेधावी छात्रों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह जो बच्चे बैठे हैं यह सभी मेधावी छात्र हैं, जिन्होंने अपने परिश्रम से,अपनी मेहनत से, कठिन परीक्षा को पास कर सबसे अच्छे नंबर प्राप्त किए हैं। जिस समय इनका रिजल्ट और परिणाम आया मुझे लगा कि सरकार के लोग इन बच्चों का सम्मान करने का काम करेंगे। मुझे इसलिए भी लगा क्योंकि भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र मैंने पढ़ा था। भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में लिखा है कि जो बच्चे आगे पढ़ने जाएंगे उनको लैपटॉप दिया जाएगा, टेबलेट दिए जाएंगे और साथ ही साथ डेटा भी फ्री दिया जाएगा, उन संस्थानों को वाईफाई से जोड़ा जाएगा। यादव ने कहा कि आज लगभग साढ़े चार साल पूरे हो गए, इनका कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। राज्य की 24 करोड़ जनता इन्हें ढूंढ रही है।''

शांतिप्रिय देश है भारत, राजनाथ बोले- ज़रुरत हुई तो किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार

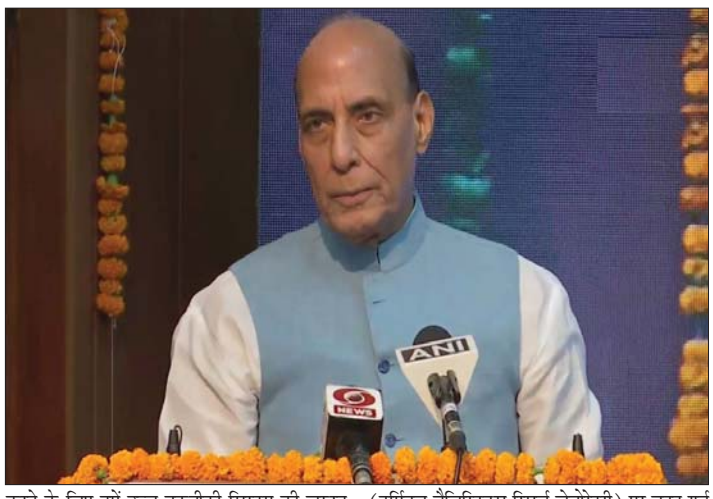

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
चंडीगढ में 'टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी' के लोगों को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हमेशा शांतिप्रिय देश रहा है पर हम किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। न्यूज एजेंसी, ह्ढ के मुताबिक राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी समय 2 कमरों से शुरू हुई यह लेबोरेटरी आज देश को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक और क्षमताएं प्रदान करने वाले लेबोरेटरी बन चुकी है।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत हमेशा से एक शांतिप्रिय देश रहा है और आज भी है। किसी भी विवाद को अपनी तरफ से शुरू करना हमारे मूल्यों के खिलाफ है। अगर ज़रुरत होती है तो हमारा देश किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम कहते थे कि दुनिया में भय की जगह नहीं है। एक शक्ति ही दूसरी शक्ति का सम्मान करती है। भारत को हम सशक्त बनाना चाहते हैं ताकि दुनिया में बड़ी से बड़ी ताकत के सामने आँख झुकाकर नहीं बल्कि आँख में आँख डालकर बात करना पड़े।

वहीं इस मौके पर सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने कहा कि सीमाओं पर चुनौतियां हैं और इनका सामना करने के लिए हमें उच्च तकनीकी सिस्टम की ज़रुरत है। हमारे प्रतिद्वंदी तेजी से युद्ध में तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका मुकाबला करने के लिए हमें भी तकनीक का इस्तेमाल करना होगा। हमें टीबीआरएल (टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी) पर बहुत गर्व है क्योंकि आप जिस तरह का काम कर रहे हैं, उससे हमारे सशस्त्र बलों को सक्षम बनने में मदद मिलेगी। अभी जरूरत है, सीमाओं पर हमारे सामने चुनौतियां हैं।

कांग्रेस में है दोहरा मापदंड, राज्यवर्धन राठौर बोले- राजस्थान में पिछले 1 महीने में 4 बार इंटरनेट बंद किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)।
कांग्रेस और भाजपा के बीच जबरदस्त वार पलटवार चल रहा है। हाल में ही जम्मू कश्मीर को लेकर राहुल गांधी ने सरकार पर बड़े आरोप लगाए थे और इंटरनेट व टेलीफोन बंद किए जाने को लेकर भी सवाल उठाए थे। इसी को लेकर अब भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जबरदस्त पलटवार किया है। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा कि राहुल गांधी ने 19 दिसंबर 2019 को ट्वीटर पर लिखा था कि 'इस सरकार को कोई अधिकार नहीं कि कॉलेज, इंटरनेट और टेलीफॉन बंद कर दे। इसे मैं मानता हूं कि ये भारत की आत्मा की बेइज्जती है।' वहीं राजस्थान में पिछले 1 महीने में 4 बार इंटरनेट बंद किया गया है। राठौर ने कहा कि कांग्रेस बार-बार जम्मू कश्मीर पर कहती है कि वहां अभिव्यक्ति की आजादी को रोका जा रहा है, लेकिन क्या राजस्थान में आतंक की घटनाएं हो रही हैं कि पिछले 1 महीने में 4 बार इंटरनेट बंद किया गया है। जितने दोहरे मापदंड कांग्रेस में हैं, उतने कहीं नहीं हैं। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, यूपी में केवल 29, हरियाणा में 17, पश्चिम बंगाल में 13, गुजरात में 10 और बिहार और महाराष्ट्र में 11 इंटरनेट शटडाउन हुए हैं। हालांकि, राजस्थान में इसी अवधि में 78 बार ऐसा हुआ है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार का कहना है कि वे टेस्ट पेपर के लीकेज को रोकने और नकल रोकने के लिए इंटरनेट बंद कर रहे हैं। हालांकि, पिछले 1.5 वर्षों में हुई पिछली 5 परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर लीकेज और धोखाधड़ी हुई है।

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर बोले, भाजपा अगले कई दशकों तक कहीं नहीं जाने वाली

पणजी। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारतीय राजनीति के केन्द्र में रहेगी और ''अगले कई दशकों तक यह कहीं जाने वाली नहीं है।'' गोवा में होने वाले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की जीत की रणनीति तैयार कर रहेंकिशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस सोच के लिए उन पर तंज किया कि लोग भाजपा को तत्काल उखाड़ फेकेंगे। एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें किशोर गोवा में एक निजी बैठक को संबोधित करते नजर आ रहे हैं। 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी'(आई-पीएसी) के एक वरिष्ठ नेता ने इस बात की पुष्टि की कि यह वीडियो बुधवार को हुई एक निजी बैठक का है। किशोर आई-पीएसी के प्रमुख हैं। इस वीडियो में किशोर यह कहते नजर आ रहे हैं ''भारतीय जनता पार्टी चाहे जीते या हारे, वह राजनीति के केन्द्र में रहेगी, जैसा कि पहले 40वर्षों में कांग्रेस के लिए था,भाजपा कहीं नहीं जा रही है।'' उन्होंने कहा,'' भारत के स्तर पर एक बार आप तीस प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर लें, तो फिर आप जल्दी कहीं नहीं जाने वाले। इसलिए, इस जाल में कभी मत फंसना कि लोग मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी)से नाराज हैं और वे उन्हें उखाड़ फेकेंगे।''

टीवी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी ने कहा- राहुल गांधी के मार्गदर्शन में काम करने को लेकर उत्सुक

मुंबई। (एजेंसी)।
टीवी अभिनेत्री काम्या पंजाबी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गई हैं और उन्होंने कहा है कि वह पार्टी नेताओं राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाद्रा के मार्गदर्शन में काम करने को लेकर उत्सुक हैं। पंजाबी, बनूं मैं तेरी दुल्हन , मर्यादा और शक्ति जैसे टीवी शो में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं।

बुधवार को मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भाई जगताप की उपस्थिति में वह पार्टी में शामिल हुईं। पंजाबी (42) ने बृहस्पतिवार को ट्विटर पर जगताप और राजनीतिक कार्यकर्ता-स्तंभकार तहसीन पूनावाला को टैग करते हुए समारोह की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, मेरे नये सफर की सुंदर शुरुआत! इतनी गर्मजोशी से स्वागत के लिए भाई जगतापऔर तहसीन पूनावाला का बहुत-बहुत धन्यवाद।राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी के नेतृत्व में काम करने के लिए उत्सुक हूं। . पूनावाला ने भी कांग्रेस में अभिनेत्री का स्वागत किया और लिखा कि उन्हें विश्वास है कि पंजाबी लोगों की बेहतर सेवा करेंगी। पंजाबी 2013 में रियलिटी शो बिग बॉस में एक प्रतियोगी के रूप में भी दिखाई दीथीं।

भाजपा युवा मोर्चा दवारा नितियों को जनता तक पहुचाने का प्रयास

बरहज, देवरिया ।
भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा बरहज नगर मंडल की कार्यसमिति की बैठक बरहज ब्लाक परिसर के मीटिंग हॉल में नगर मंडल अध्यक्ष गौरव जयसवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता दिलीप सिंह ने कहा कि भाजपा की नीतियों का प्रचार प्रसार एवं योजनाओं को जनता तक पहुंचाने पर जोड़ दिए जाने एवं पार्टी की मजबूती के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए युवा मोर्चा को तैयार रहने एवं समर्पित रहने के लिए तत्पर रहना होगा । नगर मंडल के प्रभारी जयदीप ने युवा संवाद के जरिए युवाओं को भारतीय जनता युवा मोर्चा से अधिक से अधिक जोड़ने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि के द्वारा सारे कार्यकारिणी के सदस्यों को माल्यार्पण करके सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष प्रखर पाण्डेय ने किया । इस दौरान वरिष्ठ नेता मदन लाल गुप्ता, माखन लाल गुप्ता, सभासद संजय जायसवाल , अमर सिंह , मनोज वर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहें ।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को नीट 2021 के परिणाम घोषित करने की अनुमति दी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को देशभर में स्नातक स्तरीय चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के परिणाम घोषित करने की बृहस्पतिवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने एनटीए को नीट के परिणाम घोषित नहीं करने तथा दो अभ्यर्थियों के लिए फिर से परीक्षा कराने के निर्देश देने संबंधी बंबई उच्च न्यायालय के हालिया आदेश पर रोक लगा दी।

दोनों विद्यार्थियों के प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट महाराष्ट्र के एक परीक्षा केंद्र में आपस में मिल गये थे। पीठ ने एनटीए की ओर से पक्ष रख रहे सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर संज्ञान लेने के बाद कहा, ''हम उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाते हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी परिणाम घोषित कर सकती है।'' पीठ ने कहा, ''हम अदालत के पुनः खुलने (दीपावली की छुट्टियों के बाद) पर दोनों विद्यार्थियों के बारे में निर्णय लेंगे। इस बीच हम जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी करते हैं। लेकिन हम 16 लाख छात्रों का परिणाम नहीं रोक सकते।''बंबई उच्च न्यायालय ने 20 अक्टूबर को एक अभूतपूर्व फैसले में एनटीए को आदेश दिया था कि दो अभ्यर्थियों के लिए नये सिरे से परीक्षा आयोजित की जाए और उनके परिणाम 12 सितंबर को हुई परीक्षा के मुख्य परिणामों के साथ घोषित किये जाएं। उच्च न्यायालय ने इस तथ्य का संज्ञान लिया था कि दो अभ्यर्थियों -वैष्णवी भोपाली और अभिषेक शिवाजी के प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट परीक्षा शुरू होने से पहले परीक्षा केंद्र पर आपस में मिल गए थे। अदालत ने आदेश दिया था कि उन्हें नये सिरे से परीक्षा देने का अवसर मिले।

बहादुरगढ़ की घटना पर बोले केजरीवाल, किसानों की मांग मान ले सरकार, तो नहीं होंगे ऐसे हादसे

नयी दिल्ली (एजेंसी)।
हरियाणा के बहादुरगढ़ जिले के टिकरी बॉर्डर के पास बृहस्पतिवार की सुबह एक ट्रक के टक्कर मारने से तीन महिला किसानों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गईं। हादसे के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने हादसे को दुखद बताते हुए कहा कि दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना करता हूं। इसके साथ केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार अगर अपनी जिद छोड़कर किसानों की मांगें मान ले तो हमारे किसान परिवारों को यूं सड़कों पर बैठने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। ऐसे दुखद हादसे होंगे ही नहीं।

झज्जर के एसपी वसीम अकरम के अनुसार झज्जर से बहादुरगढ़ जाने वाले रूट पर कुछ महिला किसान प्रदर्शनकारी मानसा अपने घर जाने के लिए निकली थीं। एक पुल के नीचे बैठकर वे सभी ऑटो का इंतजार कर रही थीं। एक अनियंत्रित ट्रक आया और वह डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में तीन महिलाओं की मृत्यु हो गई। एक घायल महिला को अस्पताल में भर्ती किया गया है। कुछ लोगों को मामूली चोटें आई थीं उपचार के बाद उन्हें डिस्चार्ज किया जा रहा है। घटनास्थल से ट्रक ड्राइवर भाग निकला। ट्रक डाइवर की पहचान हो गई है अब उसकी तलाश जारी है।

दूसरी तरफ किसानों ने बहादुरगढ़ हादसे के पीछे साजिश का अंदेशा जताया है। इसके साथ किसानों का कहना है कि वो मृतक महिला किसानों का पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे। पुलिस पहले आरोपी को गिरफ्तार करे। न्होंने कहा कि जिस ट्रक से ये हादसा हुआ वो कुछ ही दूरी से चलकर आया और सीधे आकर महिला किसानों को कुचल दिया।

सार समाचार

सिंगापुर में कोविड-19 का प्रकोप जारी, रिकॉर्ड 5,324 नए मामले सामने आए

सिंगापुर। सिंगापुर में बुधवार को कोविड-19 के रिकॉर्ड 5,324 नए मामले सामने आए। जिसके बाद देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मामलों में बढ़ोतरी की वजह का पता लगाया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि संक्रमितों में 661 लोग प्रवासी कामगारों के लिए बने सामूहिक आवास में रहने वाले हैं और 12 लोग विदेशों से देश आए। उसने बताया कि संक्रमण के कारण 10 लोगों की मौत भी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि बहुत ही कम समय में संक्रमण के मामलों में हुई असामान्य बढ़ोतरी की वजह पता लगाई जा रही है और अगले कुछ दिन संक्रमण का प्रकोप कैसा रहता है इस पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। सिंगापुर में संक्रमण के कारण अब तक कुल 349 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बुधवार दोपहर तक कोरोना वायरस से पीड़ित 1777 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। यहां अब संक्रमण के कुल 1,84,419 मामले हैं।

इजराइल ने बाहरी समारोहों पर हटाया प्रतिबंध

तेल अवीव। अधिकारियों ने कहा कि इजरायल के मंत्रियों ने शुक्रवार से शुरू होने वाले बाहरी समारोहों के आकार पर कोविड से संबंधित प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है। समाचार एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान के हवाले से कहा कि प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और स्वास्थ्य मंत्री निज्जन होरोविट्ज़ ने सभाओं पर प्रतिबंध को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की है। कार्यालय ने कहा, शुक्रवार से शुरू होकर, खुले स्थानों पर सभाएं उपस्थिति की सीमा के बिना आयोजित की जा सकती हैं। बाहरी आयोजनों को अभी भी ग्रीन पास के तहत संचालित करने की आवश्यकता होगी, एक एक उपाय था जिसे इजराइल ने 17 अक्टूबर को लागू करना शुरू किया था। ग्रीन पास प्रतिबंध रेस्तरां, सिनेमा, सम्मेलन और होटलों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर प्रवेश को सीमित करता है। रविवार को, बेनेट ने इजराइल की साप्ताहिक कैबिनेट बैठक में कहा कि देश वर्तमान में डेल्टा लहर से बाहर निकल रहा है।

ताइवान में 2 नवंबर से कोविड प्रतिबंधों में दी जाएगी ढील

ताइपे। ताइवान के कार्यकारी प्राधिकरण ने गुरुवार को कहा कि कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों में 2 नवंबर से ढील दी जाएगी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट, प्राधिकरण के अनुसार, कराओके बार में फेस मास्क की आवश्यकता नहीं होगी, और सिनेमाघरों या ट्रेनों में खाने-पीने की अनुमति होगी। सभाओं में लोगों की संख्या पर प्रतिबंध भी हटा लिया जाएगा। ताइवान में मई और जून में एक बड़े कोविड -19 के संक्रमण के बाद, दैनिक संक्रमणों की संख्या घट गई है, हाल ही में केवल इम्पोर्ट मामले सामने आए हैं। द्वीप की महामारी निगरानी एजेंसी ने धीरे-धीरे प्रतिबंधों को हटा दिया है, जिसमें ट्रेनों के अंदर खाने की अनुमति, मूवी थिएटरों और बाहरी एथलेटिक्स के लिए मास्क को खत्म करना शामिल है। पिछले साल महामारी की शुरूआत के बाद ताइवान में कुल संक्रमित 16,394 हुए, जिसमें 847 मौतें हुई हैं।

सुपर हाई-राइज बिल्डिंग पर चीन की कार्रवाई

नई दिल्ली। चीन ने देश के छोटे शहरों को सुपर हाई-राइज बिल्डिंग बनाने से प्रतिबंधित किया है। 30 लाख से कम आबादी वाले शहरों में 150 मीटर (492 फीट) से अधिक सुपर हाई-राइज बिल्डिंग बनाने पर प्रतिबंध रहेगा। इससे अधिक आबादी वाले लोगों को 250 मीटर से अधिक ऊंची इमारतों से प्रतिबंधित किया जाएगा। 500 मीटर से अधिक ऊंची इमारतों पर पहले से ही प्रतिबंध है। बीबीसी की रिपोर्ट, चीन दुनिया की कुछ सबसे ऊंची इमारतों का शहर है, जिसमें 632 मीटर शंघाई टॉवर और 599.1 मीटर पिंग एन फाइनेंस सेंटर शामिल हैं। स्थानीय रिपोर्ट में कहा गया है कि शंघाई और शेनझेन जैसे भीड़-भाड़ वाले शहरों में सुपर हाई-राइज बिल्डिंग की जरूरत हो सकती है, लेकिन अन्य शहरों में जमीन की कोई कमी नहीं है। आकर्षक इमारतों के निर्माण के लिए स्थानीय डेवलपर्स की आलोचना करते हुए, चीन महंगी वैनिटी परियोजनाओं पर नकेल कस रही है।

दक्षिण अफ्रीका नवंबर में राष्ट्रीय उद्यानों तक मुफ्त सुविधाएं कराएगा उपलब्ध

जोहान्सबर्ग। साउथ अफ्रीकन नेशनल पार्क?स (सैनपार्क्स) के प्रबंध निकाय ने घोषणा की है कि वार्षिक राष्ट्रीय उद्यान वीक 22-28 नवंबर को आयोजित किया जाएगा, ताकि नागरिकों को इसके ज्यादातर पार्कों तक मुफ्त में पहुंचाया जा सके। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत में गर्व की भावना पैदा करने और जैव विविधता की सराहना करने के लिए सैनपार्क?स ने पारंपरिक रूप से सितंबर में एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम की मेजबानी की थी। हालांकि, इन्होंने कोविड-19 महामारी पर चिंताओं के कारण सितंबर में स्थगित करने की घोषणा की थी। दक्षिण अफ्रीका में 19 राष्ट्रीय उद्यान हैं। सैनपार्क्स. के अनुसार, 2006 में फ्री एक्सेस वीक शुरू होने के बाद से, 5,91,000 से अधिक दक्षिण अफ्रीकियों को राष्ट्रीय उद्यानों में आने का मौका दिया गया है।

ब्रिटेन: मछली पकड़ने पर फ्रांस का नियोजित प्रतिबंध निराशाजनक

लंदन, 28 अक्टूबर (आईएएनएस)। ब्रिटेन सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि फ्रांस की धमकियां निराशाजनक है, क्योंकि फ्रांस ब्रेक्जिट के बाद मछली पकड़ने के अधिकारों को लेकर ब्रिटेन के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मीडिया रिपोर्टरें में कहा गया है कि कुछ फ्रांसीसी प्रतिबंध 2 नवंबर से लागू हो सकते हैं, जब तक कि ब्रिटेन के साथ ब्रेक्जिट के बाद मछली पकड़ने के मामले में प्रगति नहीं हो जाती। फ्रांस ने शिकायत की है कि केवल आधे लाइसेंस फ्रांसीसी मछली पकड़ने वाली नौकाओं को ब्रिटिश क्षेत्रीय जल में संचालित करने के लिए दिए गए थे। ब्रिटिश सरकार के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, फ्रांस की धमकियां निराशाजनक है, हम एक करीबी सहयोगी और साथी से यह उम्मीद नहीं करेंगे।

पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख बाजवा के बीच क्यों छिड़ा है शीत युद्ध? ये हैं 5 मुख्य कारण

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

एक समय था जब पाकिस्तान के इमरान खान और सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के बीच दोस्ती हुआ करती थी। जनरल कमर जावेद बाजवा के सेना में कार्यकाल को बढ़वाने के लिए इमरान खान ने कानून बदल दिया था और बाजवा का कार्यकाल बढ़वा दिया था लेकिन अभी कुछ ही साल बीते हैं कि दोनों के बीच तनाव की खबरें आनी शुरू हो गयी। समय-समय में पाकिस्तान में सरकार और सेना के बीच आपसी तनाव देखने को मिला। डीजी आईएसआई चीफ को लेकर यह पूरा बवाल मचा हुआ है लेकिन इस शीत युद्ध में जनरल कमर जावेद बाजवा का पलड़ा भारी रहा और इमरान खान के हाथ कुछ नहीं लगा। चलिए चानते हैं कि कैसे शुरू हुआ बाजवा और इमरान खान के बीच विवाद।

इमरान खान और बाजवा के बीच तनाव की वजह

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने अपने उम्मीदवार लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के प्रमुख के रूप में नियुक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री इमरान खान नहीं चाहते थे कि लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को इस समय आईएसआई का प्रमुख बनाया जाए। दरअसल इस समय पाकिस्तान और तालिबान के बीच नये सिरे से संबंध बन रहे हैं ऐसे में इमरान खान चाहते थे कि मौजूदा समय में जो वर्तमान प्रमुख है वह ही अपने स्थान पर बना रहे लेकिन जनरल बाजवा चाहते थे कि आईएसआई के प्रमुख को बदलने का यह सही समय है इस लिए नये व्यक्ति को आना चाहिए। दोनों के बीच इसी मुद्दे को लेकर कई बार हाई लेवल की मीटिंग्स भी हो चुकी है लेकिन नतीजे बेअसर हुए। अब पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने अपने सैन्य दबदबे और राजनीतिक दोनों को दिखाते हुए लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को नया आईएसआई

प्रमुख नियुक्त किया और बाजवा के फैसले के आगे इमरान खान की एक नहीं चली।

अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के बीच आई दरार? पोल नंबर्स में गिरावट के बाद कमला हैरिस ने बाइडेन से बनाई दूरी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की जोड़ी वहां बहुत पसंद की जाती है। ये जोड़ी अक्सर साथ देखी भी जाती है। लेकिन अब जो बाइडेन और कमला हैरिस साथ नजर नहीं आते हैं। अमेरिका की उपराष्ट्रपति बनने के बाद शुरुआती दिनों में कमला हैरिस ज्यादातर जो बाइडेन के साथ ही नजर आती थीं। लेकिन अब वो मुश्किल से ही किसी कार्यक्रम में बाइडेन के साथ स्टेज शेयर करती हैं। इस वजह से अमेरिका के राजनीतिक गलियारे में ये चर्चाएं तेज हो गई हैं कि गिरते पोल नंबर्स के बीच क्या कमला हैरिस जो बाइडेन से दूरी बना रही हैं। इसके साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि दोनों के बीच दरार आ चुकी है।

वैसे ये अटकलें पहली बार अमेरिका के दक्षिणपंथी मीडिया में प्रसारित की गई थी। इन कहानियों को हवा इसलिए मिली क्योंकि सार्वजनिक मंचों पर दोनों कम ही नजर आते हैं। जबकि शुरुआती दिनों में बाइडेन ने नए प्रशासन को बाइडेन-हैरिस प्रशासन कहकर संबोधित किया था। फरवरी में दोनों 38 बार साथ में नजर आए थे। जबकि इस महीने बाइडेन और कमला को सिर्फ सात बार एक साथ देखा गया है।

क्या कहते हैं आंकड़े

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जनवरी में दोनों 20

बार एक साथ नजर आए थे। इसके बाद फरवरी में 38 बार दोनों एकसाथ देखा गया। अगस्त में सिर्फ 16 बार दोनों एक मंच पर दिखे और यह आंकड़ा सितंबर में घटकर आधा रह गया। अक्टूबर में अभी तक सिर्फ एक बार बाइडन और हैरिस प्रेस के सामने नजर आए और छह बार डेली ब्रीफिंग और लंच जैसे अवसरों पर एक-दूसरे से मिले।

व्हाइट हाउस ने अटकलों को किया खारिज

हालांकि व्हाइट हाउस ने इन अटकलों को खारिज किया है। अधिकारियों का कहना है कि दोनों के बीच मुलाकात साप्ताहिक लंच पर होती है। इस दौरान राष्ट्रपति की तरफ से उन्हें दिए गए सभी कामों में मदद की जाती है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता इस महीने की शुरुआत में वाइट हाउस ब्रीफिंग में कहा था कि कमला हैरिस बिडेन की पार्टनर हैं। वह उनकी पहली और आखिरी सहयोगी हैं और दोनों एक साथ काम करना जारी रखेंगे। लेकिन आंकड़े दोनों के बीच दूरियों की ओर इशारा करते हैं।

गरीबी की कगार में आए पाकिस्तान की मदद करेगा सऊदी अरब, तीन अरब डॉलर की देगा मदद

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

सऊदी अरब नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सुरक्षित जमाओं के रूप में तीन अरब डॉलर और 1.2 अरब डॉलर तथा 1.5 अरब डॉलर मूल्य का तेल उधार देने पर सहमत हो गया है। समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की सऊदी यात्रा के दौरान हुए समझौते के बारे में औपचारिक घोषणा उनके सलाहकार (वित्त और राजस्व) शौकत तारिन और ऊर्जा मंत्री हम्माद अजहर करेंगे। सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने सऊदी अरब सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता के बारे में ट्विटर बताया।

उन्होंने ट्वीट किया, ''सऊदी अरब ने पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक में जमा के रूप में तीन अरब अमेरिकी डॉलर देने पर सहमत होकर पाकिस्तान का समर्थन किया है, और साथ ही वह वर्ष के

दौरान 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के पेट्रोलियम उत्पाद का खर्च भी उठाएगा।'' रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया कि सऊदी सरकार तत्काल एक साल के लिए पाकिस्तान के खाते में तीन अरब अमेरिकी डॉलर जमा करेगी और कम से कम अक्टूबर 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कार्यक्रम के पूरा होने तक इसे जारी रखा जाएगा। इसके अलावा सऊदी सरकार हर साल 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक का तेल उधार देगी।

सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी नौसेना प्रमुख के साथ की बातचीत

सियोल। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री सुह वूक ने गुरुवार को अमेरिकी नौसेना सचिव कार्लोस डेल टोरो के साथ बातचीत की। इस वार्ता के दौरान उन्होंने कोरियाई प्रायद्वीप की सुरक्षा, द्विपक्षीय गठबंधन और अन्य मुद्दों पर चर्चा की। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट, रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उत्तर कोरियाई मिसाइल लॉन्च की एक हालिया श्रृंखला के बाद, और प्योंगयांग के साथ बातचीत को फिर से शुरू करने के लिए संयुक्त प्रयासों को आगे बढ़ाने के बाद, सियोल और वाशिंगटन ने अपनी रक्षा तैयारी सुनिश्चित करने के लिए रक्षा मंत्री सुह और नौसेना सचिव डेल टोरो के बीच बातचीत हुई। मंत्रालय ने कहा, बैठक के दौरान, डेल टोरो ने उम्मीद व्यक्त की कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया पूर्वोत्तर एशिया में स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने और भारत-प्रशांत क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने के लिए मिलकर काम करेंगे। सचिव ने यह भी कहा कि दोनों देशों की नौसेनाओं और मरीन कोर के बीच घनिष्ठ सहयोग से गठबंधन को और विकसित करने में मदद मिलेगी।

नेपाल ने सरप्लस बिजली के अधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दरों में की कटौती

काठमांडू (एजेंसी)।

नेपाली अधिकारी बिजली दरों में औसतन 2.84 फीसदी की कटौती करके अधिक बिजली की खपत को प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि दक्षिण एशियाई देश जलविद्युत का सरप्लस (अधिशेष) पैदा कर रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बिजली नियामक आयोग ने उन घरों के लिए ऊर्जा शुल्क माफ कर दिया है जो प्रति माह 20 यूनिट से कम खपत करते हैं, हालांकि उन्हें हर महीने न्यूनतम 30 नेपाली रूपये (24 डॉलर) का सेवा शुल्क देना पड़ेगा है। 150 से 250 यूनिट प्रति माह की खपत करने वाले परिवारों के लिए, दर को आधा रुपया प्रति यूनिट घटाकर 9.5 नेपाली रूपये किया गया है। बिजली नियामक आयोग ने कहा कि अधिक बिजली का उपयोग करने वाले उद्योगों के लिए भी कम दर (टैरिफ) की पेशकश की गई है और नई दरें 17 नवंबर से एक साल के लिए लागू होंगी। आयोग के अध्यक्ष दिल्ली बहादुर सिंह ने प्रेस को बताया, हमने घरों में इलेक्ट्रिक ओवन के उपयोग को बढ़ावा देने, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और खेतों की सिंचाई के लिए बिजली की सुविधाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दरों को कम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि सिंचाई सुविधाओं के लिए बिजली की दरों में 40.69 प्रतिशत की कटौती की जानी है। नेपाल के शहरी इलाकों में ज्यादातर घर खाना बनाने के लिए गैस का इस्तेमाल कर रहे हैं। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के अनुसार, देश में वर्तमान में लगभग 2,000 मेगावाट (एमडब्ल्यू) की स्थापित क्षमता है, लेकिन बुधवार को

देश भर में पीक-आवर की मांग 1,500 मेगावाट से कुछ अधिक थी। वहीं अन्य समय में, बिजली की मांग 1,300 मेगावाट से कम हो जाती है। एनईए के प्रवक्ता सुरेश बहादुर भट्टाराई ने कहा कि भारत को सरप्लस ऊर्जा बेचने के नेपाल के प्रस्ताव को अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है।

अफगानिस्तान की वर्तमान स्थिति को लेकर भारत चिंतित, पेंटागन के एक शीर्ष अधिकारी का बयान

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के एक शीर्ष अधिकारी ने अमेरिकी सांसदों से कहा कि अफगानिस्तान की वर्तमान स्थिति को लेकर भारत चिंतित है। नीतिगत मामलों के लिए अवर रक्षा सचिव कॉलिन एच कहल ने अफगानिस्तान, दक्षिण एवं मध्य एशिया सुरक्षा पर सुनवाई के दौरान सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों से कहा, ''मुझे यकीन है कि आप इस बात से अवगत हैं कि वे (भारतीय) अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। वे वहां की अस्थिरता और आतंकवाद विरोधी अपनी चिंताओं को लेकर परेशान हैं। कहल ने कहा, '' वे (भारतीय) इन मुद्दों पर हमारे साथ काम करना चाहते हैं, खुफिया जानकारी साझा करने समेत जहां भी हम उन्हें सहयोग कर सकते हैं। यह हमें न केवल अफगानिस्तान

के संबंध में और आतंकवाद के खिलाफ, बल्कि हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत में व्यापक क्षेत्रीय सुरक्षा विषयों पर भारत के साथ सहयोग के अवसर प्रदान करता है।'' कहल ने यह बयान सीनेटर गैरी पीटर्स के एक सवाल के जवाब में दिया। उन्होंने कहा, '' अफगानिस्तान के प्रति भारत की नीतियों की कल्पना बड़े पैमाने पर पाकिस्तान के साथ प्रतिस्पर्धा और छद्म संघर्ष को ध्यान में रखकर की जाती है। यह भी एक कारण है कि भारत को इस आशंका को लेकर कम चिंतित नहीं होना चाहिए कि तालिबान सरकार, भारत विरोधी आतंकवादी संगठनों को फायदा पहुंचा सकती है, खासकर जो कश्मीर के आसपास हैं। उन्होंने कहा, '' इस महत्वपूर्ण भागीदार के साथ संयुक्त सहयोग तथा मिलकर काम करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और यह तथ्य कि भारत, अमेरिका का एकमात्र नामित प्रमुख रक्षा भागीदार है,....मेरा मानना है कि हमारे लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि अफगानिस्तान के प्रति उसका दृष्टिकोण कैसा है और आगे कैसा रहेगा। सीनेटर जैक रीड के एक अन्य सवाल के जवाब में कहल ने कहा कि पाकिस्तान एक चुनौतीपूर्ण भूमिका पेश करता है, लेकिन वह नहीं चाहता कि अफगानिस्तान आतंकवादी हमलों या बाहरी हमलों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बने।

अमेरिका की पूर्व राजनयिक हेली और सांसद वाल्ट्ज ने भारत के साथ गठबंधन करने की अपील की

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निकी हेली और सांसद माइक वाल्ट्ज ने भारत एवं अमेरिका के बीच गठबंधन का आह्वान करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों को क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख के बीच अपनी वैश्विक ताकत को बरकरार रखने और विस्तार देने में मदद मिलेगी। वाल्ट्ज प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्य हैं और 'इंडिया कॉकस' के रिपब्लिकन उपाध्यक्ष हैं। हेली और वाल्ट्स ने प्रतिष्ठित 'फोरेन पॉलिसी' पत्रिका के ताजा संस्करण में लिखा, ''10 लाख से अधिक सैन्यबलों वाली एक परमाणु शक्ति के रूप में, मजबूत होती नौसेना और एक शीर्ष स्तरीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ और अमेरिका के एक पुराने आर्थिक एवं सैन्य सहयोगी के रूप में भारत एक मजबूत साझेदार बनेगा।''

उन्होंने कहा, ''भारत के साथ गठबंधन से दोनों देशों को अपनी वैश्विक ताकत को बरकरार रखने और विस्तार देने में मदद मिलेगी तथा अमेरिका जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर अफगानिस्तान में संभावित आतंकवादी खतरों और चीन के लिए एक वास्तविक अवरोधक बनेगा।''

हेली और वाल्ट्स ने लिखा कि अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के बाद केवल भारत ही वहां प्रभावी ढंग से सतर्कता से नजर रख सकता है और केवल वही चीन की गतिविधियों पर नजर रख सकता है। दोनों रिपब्लिकन नेताओं ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच गठबंधन चीन को मध्य एवं दक्षिणी एशिया में और विस्तार देने से रोकेगा। उन्होंने कहा, ''यह गठबंधन क्षेत्र की बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को भी पहचानेगा। भारत के प्रति चीन का हालिया आक्रामक रुख कोई संयोग से नहीं है। यह एक व्यापक योजना का हिस्सा है। भारत के लंबे समय से शत्रु रहे पाकिस्तान से समर्थन मिलने के बाद 'चीन की कम्युनिस्ट पार्टी' (सीसीपी) का हौसला बढ़ा है।

म्यांमार में तख्ता पलट के बाद सेना का दिखा निर्दयी रूप, बिजली के झटके, पिटाई और दी जा रही यातनाएं

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

जकार्ता। एक भिक्षु को शर्मिंदा करते हुए उन्हें एक मेंढक की तरह चलने पर मजबूर किया, एक लेखा अधिकारी को बिजली के झटके दिए गए और एक कलाकार के सिर पर तब तक चोट की गई जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गया। म्यांमार में इस साल फरवरी में तख्तापलट किए जाने के बाद से सेना उन लोगों को यातनाएं दे रही है जिन्हें उसने देशभर से बड़े ही सुनियोजित तरीके से हिरासत में लिया था। एपी की जांच में यह पता चला है। म्यांमार में सेना ने युवाओं और लड़कों समेत हजारों लोगों को अगवा किया, शवों और घायलों का इस्तेमाल आतंक फैलाने के लिए किया और वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौरान चिकित्साकर्मियों पर जानबूझकर हमले किए।

फरवरी से अब तक सुरक्षा बलों ने 1,200 से अधिक लोगों की हत्या की जिनमें से अनुमानतः करीब 131 लोगों को यातनाएं देकर मार डाला। सेना द्वारा प्रताड़ित किए गए कुछ लोगों की कहानियां सेना की पकड़ से भागते समय 31 वर्षीय भिक्षु को गोली मारी गई, उन्हें हथकड़ी लगाई गई और डंडों तथा राइफलों से पीटा गया। सुरक्षा बलों ने उनके सिर, छाती और पीठ में लात मारी। उन्होंने आपराधिक इरादे के सबूत बनाने के लिए भिक्षु और अन्य प्रदर्शनकारियों की गैसोलीन की बोतलों के साथ फोटो खिंचवाई। सैनिकों ने भिक्षु को आम लोगों जैसे कपड़े पहनने को मजबूर किया और उन्हें मांडले पैलेस में बनाए गए उत्पीड़न केंद्र भेज दिया। भिक्षु कहते हैं, ''वह पूछताछ केंद्र किसी नर्क की तरह था।'' भिक्षु को मेंढ़क की तरह चलने पर मजबूर किया गया, उन्हें ऐसे बंदीगृह में रखा गया जहां शौचालय नहीं था। कैदियों को एक कोने में पेशाब करना पड़ता था और प्लास्टिक की थैलियों में मल त्याग करना होता था। छह दिन बाद भिक्षु को पुलिस थाने भेजा गया जहां उन्हें 50 अन्य कैदियों के साथ एक काल कोठरी में रखा गया। वहीं भी यातनाएं जारी रहीं। पुलिस थाने में 21 साल के लेखापाल की पूछताछ शुरू हुई, उसे लात घूंसों से पीटा गया उसके सिर पर मारा गया। फिर उसकी आंखों पर पट्टी बांधकर उसे यंगून के पूछताछ केंद्र ले जाया गया। एक सैनिक ने उससे पूछा कि श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोटों से उसका क्या संबंध है। जब उसने किसी भी संबंध से इनकार किया तो उसे फिर बुरी तरह से पीटा गया।

सैनिकों ने पीवीसी पाइप से उसकी पीठ पर मार की और छाती पर लात मारी। वह उसे शरीर के केवल उन्हीं हिस्सों पर मारते थे जिन्हें कपड़ों से छिपाया जा सके। वह बेहोश हो चुका था। उसके सिर पर बर्फ का पानी डालकर उसे जगाया गया। इसके बाद उसे बिजली के झटके दिए गए। उसे पूछताछ केंद्र से तब जाकर छोड़ा जब उसके परिजनों ने अधिकारियों को पैसे दिए। लेकिन इसके तुरंत बाद सैनिक उसे एक अन्य पूछताछ केंद्र ले गए। जहां उसे बुरी तरह से फिर मारा पीटा गया और गहरे काले अंधेरे कमरे में रखा गया। आखिरकार उसे उस बयान पर हस्ताक्षर करने पड़े जो पहले से तैयार किया जा चुका था। लेखापाल के पिता ने फिर से पैसे दिए जिसके बाद उसे छोड़ा गया। एक युवा कलाकार के अनुभव भी कुछ ऐसे ही रहे। सुरक्षा बलों ने एक प्रदर्शन के दौरान 21 साल के कलाकार को गिरफ्तार किया और उसके सिर पर तब तक मार की जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गया। जब वह जागा तो उसने सुना की एक सैनिक कह रहा था, ''तीन लड़कों को मौत के घाट उतार चुका हूं।'' कलाकार बताता है, ''वह हमें जान से मारने वाले थे।'' लेकिन तभी स्थानीय पुलिस वहां आ गई और उसने सैनिकों से कहा कि वह इस युवक की हत्या नहीं कर सकते हैं। इसके बाद कलाकार को पुलिस थाने और उसके बार यंगून के पूछताछ केंद्र ले जाया गया जहां उसे चार दिन रखा गया। उसने कहा, ''पूछताछ केंद्र जाने के बाद मैंने कोशिश की कि कोई उम्मीद न रखूं।''

संपादकीय

पेगासस में जांच

पेगासस मामले में देश की सर्वोच्च अदालत का फैसला स्वागतयोग्य है। अदालत ने इस मामले में स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर अपना जो फैसला सुनाया है, वह कतई नहीं चौंकाता। मामले को अंजाम तक पहुंचाने के लिए अदालत के पास शायद यही सबसे बेहतर विकल्प था। अब इस सनसनीखेज मामले की जांच एक्सपर्ट कमेटी करेगी। जांच समिति के गठन के साथ ही कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए यह भी कह दिया है कि लोगों की जासूसी किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति गठित की है और जांच के लिए आठ सप्ताह की समय-सीमा तय करके बिल्कुल सही किया है। अदालत को सुनिश्चित करना चाहिए कि तय समय में जांच रिपोर्ट पेश हो जाए। हालांकि, यह रिपोर्ट सार्वजनिक होगी या नहीं, यह कहना कठिन है, लेकिन जब बड़े सवालों के जवाब जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से नहीं आ रहे हैं, तब शीर्ष अदालत से ही अब याचिकाकर्ताओं को उम्मीद है। यह जानना जरूरी है कि जासूसी के लिए क्या अवैध तरीके से पेगासस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया है? आखिर पेगासस या जासूसी की जरूरत ही क्यों पड़ी है? शायद इन सवालों के जवाब सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति खोज पाएगी। कोई शक नहीं कि आदर्श स्थिति तब होती, जब सुप्रीम कोर्ट को सवालों के जवाब पहले ही मिल जाते, जांच की जरूरत ही नहीं पड़ती। लेकिन याचिकाकर्ताओं ने जो सवाल उठाए थे, उन्हें जब अदालत संतुष्ट नहीं कर सकी, तब मामले की जांच जरूरी हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया कि हमारे पास याचिकाकर्ता की दलीलों को प्रथम दृष्टया स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। अब जो समिति गठित हुई है, उसकी निगरानी सर्वोच्च अदालत के हाथों में रहेगी। संभव है, जांच के बाद अदालत किसी ठोस नतीजे पर पहुंचे। अब जब आठ सप्ताह बाद सुनवाई होगी, देश के सामने दूध का दूध पानी का पानी होने की उम्मीद है। अगर जासूसी हुई है, तो यह जानना सबसे जरूरी है कि उससे देश को फायदा हुआ है या नुकसान? दुनिया में लोगों की जासूसी का इतिहास पुराना है, लेकिन सभ्यता के दायरे में इसे अच्छा नहीं माना जाता है। विशेष रूप से लोकतंत्र में तंत्र पर लोक का विश्वास जितना जरूरी है, उतनी ही जरूरी है तंत्र में पारदर्शिता। पेगासस से अगर जन-विश्वास खंडित हुआ है, तो संविधान की रोशनी में यह चिंता की बात है। इसकी पुनरावृत्ति तो कतई नहीं होनी चाहिए। तीन सदस्यीय जांच समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश आर वी रवींद्रन करेंगे और इसमें आलोक जोशी और संदीप ओबेरॉय सदस्य होंगे। यह देश के लिए एक आदर्श जांच हो, तो ही बात बनेगी। किसी भी तरह की खानापूर्ति के बजाय यह देखने की जरूरत है कि किन्हीं नागरिकों पर किसी सरकार के अविश्वास के निहितार्थ क्या हैं? यह भी संभव है कि जांच के दौरान समिति जिम्मेदार अधिकारियों के जासूसी कराने संबंधी फैसले से सहमत हो। पेगासस के जरिये जांच यदि जरूरी थी, अगर देश पर कोई खतरा था, तो जांच के बाद खामोश रह जाना बेहतर होगा। लेकिन अगर विधान को ताक पर रखकर अवैध रूप से जासूसी की गई है, तो हमें सचेत हो जाना चाहिए। जासूसी की किसी भी गलत परंपरा से अपने देश को बचाना चाहिए।

'आज के ट्वीट

गलती

ग़लती हो जाए तो कोई बात नहीं, ग़लतियों से सीखने को मिलता है. पर किसी के साथ ग़लत मत करो, ये रिश्तों को तोड़ देता है

-- रजत शर्मा

देश ने लगाई नवाचार में छलांग

- प्रमोद भार्गव

यह अत्यंत खुशी की बात है कि भारत ने नवाचार के क्षेत्र में उन्नति करते हुए वैश्विक सूचकांक में 46वां स्थान प्राप्त कर लिया है। यह सूचकांक विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) जारी करता है। यह बढ़त बीते सात साल में हुई है, अन्यथा इसके पहले 2015 में भारत 81वें स्थान पर था। इतने कम समय में 37 पायदान चढ़कर 46वां स्थान हासिल करना बड़ी बात है। विश्वव्यापी औद्योगिक-वैज्ञानिक आर्थिकी में नवाचार क्षमता का यह दखल अहम कड़ी है। दरअसल नवाचार वह प्रक्रिया है, जिसमें नई सोच व विचारों के साथ उद्यमशीलता गति पकड़ती है। 21वीं सदी में विकास और रोजगार के क्षेत्र में प्रगति की उपलब्धियों में नवाचार ही वह माध्यम है, जो किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में सहायक है। नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तभी से उन्होंने नवाचार के लिए न केवल माहौल रचा, बल्कि नवाचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई नई संस्थाएं भी गठित कीं। इनमें राष्ट्रीय नवाचार परिषद्, अटल इनोवेशन मिशन और भारत समावेशी नवाचार कोष जैसी संस्थाएं वजूद में लाई गईं। हालांकि नवीन अनुसंधान और नवाचार की जितनी संभावनाएं भारत में हैं, उस नाते एक ऐसी संस्था की भी जरूरत है, जो ऐसे नवाचारियों को प्रोत्साहित करे, जो बिना कोई अकादमिक शिक्षा प्राप्त किए ही बेहद उपयोगी आविष्कारों के जन्मदाता बन गए हैं। भविष्य में ऐसा संभव होता है तो जमीन से जुड़े और ज्ञान परंपरा से आविष्कारों के जनकों की भी भूमिका नवाचार, विज्ञान और आविष्कार के क्षेत्र में रेखांकित होगी। हालांकि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन से इस दिशा में भी नई पहल हो रही है। हालांकि भारत में अभी भी शोध और नवाचार पर निवेश कुल जीडीपी का एक प्रतिशत ही किया जाता है। जबकि चीन में यह 2.1 प्रतिशत, अमेरिका में यह 2.8, दक्षिण कोरिया में 4.2 और इजरायल में 4.3 प्रतिशत तक है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (पीएमईएसी) ने सलाह दी है कि भारत को नवप्रवर्तन, औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास में अग्राणी बनने के लिए इस मद में निजी क्षेत्र का खर्च भी बढ़ाना होगा। फिलहाल विश्व बाजार में सूचना प्रौद्योगिकी, दवा उद्योग और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की उपलब्धियों को मान्यता मिल रही है। भारत कृत्रिम बुद्धि और रोबोटिक जैसे अत्यंत नई तकनीक में भी अनुसंधान करते हुए प्रगति कर रहा है। इसीलिए भारत की नवाचार के क्षेत्र में साख बनी है। नतीजतन ब्लूमबर्ग के वार्षिक नवाचार सूचकांक में भी भारत को विनिर्माण क्षमता विस्तार और सार्वजनिक संस्थानों में उच्च तकनीक का विस्तार करने के लिए रेखांकित किया गया है। भारत सरकार ने भी इस दृष्टि से देश में नवाचार की कार्य संस्कृति को जानने के लिए नीति आयोग के अंतर्गत 2019 से नवाचार सूचकांक जारी कर रहा है। इस सूची में कर्नाटक देश के नवाचार सूचकांक में प्रथम पायदान पर है। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना और हरियाणा भी इस प्रतिस्पर्धा में शामिल हैं। हरियाणा को यदि छोड़ दें तो घनी आबादी वाले हिंदीभाषी राज्य इस चुनौती को स्वीकारने में पिछड़ रहे हैं। इसका प्रमुख कारण विज्ञान, तकनीक और रोजगार कौशल के ज्ञान को अंग्रेजी में देना भी है। यदि नई शिक्षा नीति के माध्यम से विज्ञान व तकनीकी विषयों को उच्च शिक्षा संस्थानों में मातृभाषाओं में पढ़ाए जाने का सिलसिला शुरू होता है तो कालांतर में यह स्थिति बदल सकती है। फिलहाल 14 इंजीनियरिंग कॉलेजों ने इस नीति के तहत पांच भारतीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा के पाठ्यक्रम जारी कर दिए हैं। परंतु अभी इन पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए जरूरी पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि कृत्रिम बुद्धि के जरिए पुस्तकों, अकादमीय पत्रिकाओं और वीडियो एप के जरिए पाठों को अनुवाद करने वाले कुछ उपकरण नवाचारियों ने निर्मित किए हैं, लेकिन इनके अनुवाद की गुणवत्ता संपूर्ण है अथवा नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मातृभाषाओं में पढ़ाने वाले अध्यापकों की भी कमी है। अतएव इन क्षेत्रों में जल्द सुधार की आवश्यकता है। हालांकि दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। लेकिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी साहित्य सृजन में केवल पाश्चात्य लेखकों का ही बोलबाला है। पश्चिमी देशों के वैज्ञानिक आविष्कारों से ही यह साहित्य भरा पड़ा है। भारत में भी इसी साहित्य का पाठ्य पुस्तकों में अनुकरण है। इस साहित्य में न तो हमारे प्राचीन वैज्ञानिकों की चर्चा है और न ही आविष्कारों की। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हम खुद न अपने आविष्कारकों को प्रोत्साहित करते हैं और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहास पूर्ण रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसी प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे निश्चित होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनुदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढालकर अनेक आविष्कार व सिद्धांत गढ़कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे। कहते हैं कि पक्षियों के पंख प्राकृतिक रूप से ही संपूर्ण रूप में विकसित हो जाते हैं, लेकिन हवा के बिना उनमें पक्षी को उड़ा ले जाने की क्षमता नहीं होती है। अर्थात उड़ने के लिए वायु आवश्यक तत्व है। इसी तथ्य के आधार पर हम कह सकते हैं, आविष्कारक वैज्ञानिक को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई वैज्ञानिक कितना भी शिक्षित क्यों न हो, वह कल्पना के बिना कोई मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता है। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है, वह उतना ही बताती व सिखाती है, जितना हो चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात कुछ नितांत नूतन करने की जिज्ञासा को आधार तल देती है। स्पष्ट है, आविष्कारक लेखक या नए सिद्धांतों के प्रतिपादकों को उच्च शिक्षित होने की कोई बाध्यकारी अड़चन पेश नहीं आनी चाहिए। अतएव हम जब लब्ध-प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की जीवन-गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके इर्द-गिर्द विज्ञान-सम्मत परिवेश था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। सूक्ष्म जीवों का अध्ययन करने वाले पहले वैज्ञानिक ल्यूवेनहॉक द्वारपाल थे और लैंसों की घिसाई का काम करते थे। लियोनार्दो विंची एक कलाकार थे। आइंस्टीन पेटेंट कार्यालय में लिपिक थे। न्यूटन अव्यावहारिक और एकांतप्रिय थे। उन्होंने विवाह भी नहीं किया था। न्यूटन को मंदबुद्धि भी कहा गया है। थॉमस अल्वा एडिसन को मंदबुद्धि बताकर प्राथमिक पाठशाला से निकाल दिया गया था। इसी क्षीण बुद्धि बालक ने कालांतर में बल्ब और टेलीग्राफ का आविष्कार किया। फैराडे पुस्तकों पर जिल्दसाजी का काम करते थे। लेकिन उन्होंने ही विद्युत-मोटर और डायोनामा का आविष्कार किया। प्रीस्टले पुरोहित थे। लेवोसिएर कर विभाग में कर वसूलते थे। संगणक (कंप्युटर) की बुद्धि अर्थात सॉफ्टवेयर बनाने वाले बिलगेट्स का शालेय पढ़ाई में मन नहीं रमता था, क्योंकि उनकी बुद्धि तो सॉफ्टवेयर निर्माण की परिकल्पना में एकाग्रचित्त से लगी हुई थी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक रोगों की पहचान कर दवा बनाने वाले आविष्कारक भी चिकित्सा विज्ञान या चिकित्सक नहीं थे। आयुर्वेद उपचार और दवाओं का जन्म तो हुआ ही ज्ञान परंपरा से है। गोया, हम कह सकते हैं कि प्रतिभा जिज्ञासु के अवचेतन में कहीं छिपी होती है। इसे पहचान कर गुणीजन या शिक्षक प्रोत्साहित कर कल्पना को पंख देने का माहौल दें तो भारत की ग्रामीण धरती से अनेक वैज्ञानिक-आविष्कारक निकल सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अध्यात्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

आध्यात्मिकता का अर्थ है उस चेतना पर विश्वास करना, जो प्राणधारियों को एक-दूसरे के साथ जोड़ती है, सुख-संवर्धन और दुख-निवारण की स्वाभाविक आकांक्षा को अपने शरीर या परिवार तक सीमित न रख कर अधिकाधिक व्यापक बनाती है। अध्यात्म का सीधा अर्थ आत्मीयता के विस्तार के रूप में किया जा सकता है। 'प्रेम ही परमेर है' का सिद्धांत यहां अक्षरशः लागू होता है। अंतरात्मा की सघन पिपासा, प्रेम का अमृत पान करने की होती है। इसी लोभ में उसे निरंतर भटकना पड़ता है। छल का व्यापार प्रेम, विश्वास के सहारे ही चलता है। वासना के आकर्षण में प्रेम की संभावना ही उन्माद पैदा करती है। यह तो कृत्रिम और छद्मप्रेम की बात हुई, उसकी यथार्थता इतनी मार्मिक होती है कि प्रेम देने वाला और प्रेम पाने वाला दोनों ही धन्य हो जाते हैं। दार्शनिक विवेचना में इस भक्तिमार्गी आस्तिकता के लिए कोई स्थान नहीं है। वेदांत ने आत्मा के परिष्कृत स्तर को ही परमात्मा माना है और उत्कृष्टता से भरापूरा अन्तःकरण ही ब्रह्मलोक है। अपनी महानता पर विश्वास और तदनुरूप श्रेष्ठ आचरण का अवलम्बन, यही है सच्ची आस्तिकता। इसी के परिपोषण में साधना और उपासना का विशालकाय ढांचा खड़ा किया जाता है। अनेकता में समाविष्ट एकता की झांकी कर सकना ही ईश्वर दर्शन है। सृष्टि का प्रत्येक सजीव और निर्जीव घटक एक-दूसरे से प्रभावित ही नहीं होता, वरन परस्परपूरक और अभिन्न भी है। एक की संवेदना दूसरे को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप में प्रभावित किए बिना नहीं रह सकती, इसलिए अमुक व्यक्तित्वों की सुख-सुविधा को ध्यान में न रखते हुए समस्त विश्व का हित साधन करने की दृष्टि रखकर ही जीवन की कोई रीति-नीति निर्धारित की जाए, यह दृष्टि तत्व दर्शन का प्रत्यक्ष प्रतिफल है। जब यह स्वतः सिद्ध सत्य चेतना के गहन मर्मस्थल तक प्रवेश कर जाए और निरन्तर इसी स्तर की अनुभूति होने लगे तो समझना चाहिए कि अध्यात्म और जीवन का समन्वय हो चला। पूजा की इतिश्री अमुक कर्मकाण्डों की पूर्ति के साथ ही हो जाती है; किन्तु आध्यात्मिकता व्यक्ति के अन्तरंग और बहिरंग जीवन में व्यावहारिक हेर-फेर करने के लिए विवश करती है। आत्मसुधार, आत्म निर्माण के क्रम में अन्तरंग की आस्थाओं, मान्यताओं, आकांक्षाओं और अभिरुचियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

पाकिस्तानी साजिश का पर्दाफाश आवश्यक

- अनिल निगम

कश्मीर घाटी में आतंकवादियों द्वारा ताबड़तोड़ हत्याएं कर जिस तरीके से आतंक का माहौल पैदा किया जा रहा है, बेहद शर्मनाक है। हाल ही में जो यहां हत्याएं की गई हैं, उसमें प्रवासी मजदूरों अथवा अन्य प्रदेश से आए लोगों को टारगेट किया गया है। आतंकवादियों का इसके पीछे मुख्य उद्देश्य बाहरी लोगों में खौफ पैदा करना और विकास की धारा को बेपटरी करना है। निस्संदेह, यह पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है। चूंकि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 समाप्त करने के बाद जिस तरीके वहां अमन चैन बहाल हो रहा है, वह पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा। हत्याओं के पीछे लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिद्दीन और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट-जम्मू कश्मीर जैसे आतंकी संगठनों का हाथ रहा है। स्पष्ट तौर पर इनको पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त है। जैसा कि विदित है कि 5 अगस्त, 2019 जम्मू-कश्मीर के लिए ऐतिहासिक दिन सिद्ध हुआ। इसी दिन जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और धारा 35-ए को समाप्त कर दिया गया था। इसी के साथ जम्मू-कश्मीर को जो वर्ष 1950 में भारतीय संविधान के अंतर्गत विशेष राज्य का दर्जा दिया गया था, उसका अंत हो गया और यह एक देश, एक विधान और एक संविधान के दायरे में आ गया था। उसके पश्चात भारत सरकार ने स्थानीय लोगों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए विकास संबंधी कार्यों की रणनीति बनाई थी।लेकिन पाकिस्तान को भारत का यह निर्णय शुरू से ही नहीं पच रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ जमकर दुष्प्रचार किया था। उन्होंने कहा था कि अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा और वहां नरसंहार शुरू हो जाएगा। लेकिन जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद सुरक्षा बलों ने जिस तरीके से आतंकियों का सफाया और दिशा विहीन हुए लोगों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए अभियान चलाया, वह काबिले तारीफ है। लेकिन पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में शांति की बहाली बिलकुल नहीं चाहता। यही कारण है कि उसने वहां अशांति फैलाने की रणनीति बदल दी है। अब उसने प्रवासी मजदूरों और अन्य प्रदेशों के प्रवासियों को टारगेट करना शुरू कर दिया है। अनेक प्रवासी मजदूर डर कर यहां से पलायन कर रहे हैं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में चल रही अनेक विकास परियोजनाओं में 90 फीसदी से अधिक प्रवासी मजदूर निर्माण कार्यों में लगे हुए हैं। अकेले कश्मीर घाटी पांच लाख प्रवासी मजदूर कार्यरत हैं। जम्मू-कश्मीर में विभिन्न राज्यों से तीन-से चार लाख मजदूर प्रत्येक वर्ष काम के लिए घाटी जाते हैं। उनमें से अधिकांश सर्दियों की शुरुआत से पहले चले जाते हैं, जबकि कुछ साल भर वहीं रहकर काम करते हैं। उनमें बिहार और उत्तर प्रदेश से आए मजदूरों की संख्या सर्वाधिक होती है। पाकिस्तान की बौखलाहट का एक प्रमुख कारण यह है कि जम्मू कश्मीर को जो पहले विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त था, समाप्त हो चुका है। पहले वहां लोगों के पास दोहरी नागरिकता-जम्मू कश्मीर और भारत की थी, लेकिन अब देश के बाकी लोगों की तरह वहां भी एक ही नागरिकता है। इसके अलावा पहले यह प्रावधान था कि जम्मू कश्मीर की कोई युवती भारत के किसी राज्य के युवक से शादी करती है तो उसका उसके परिवार की संपत्ति में अधिकार खत्म हो जाता था और उसके बच्चों की भी जम्मू-कश्मीर की नागरिकता खत्म हो जाती थी, पर अब ऐसा नहीं है। यही नहीं, जम्मू-कश्मीर का अलग झंडा था, लेकिन अब तिरंगा ही पूरे जम्मू-कश्मीर का भी राष्ट्रीय ध्वज है। पहले जम्मू-कश्मीर में न अनुच्छेद 356 लागू था यानी वहां सरकार भंग होने पर राष्ट्रपति शासन नहीं लग सकता था और न ही वह अनुच्छेद 360 के दायरे में आता था, जिसके तहत राष्ट्रपति आर्थिक आपातकाल लागू करते हैं। लेकिन अब यहां पर अब भारत का संविधान पूरी तरह से लागू है। दिलचस्प बात यह है कि पहले दूसरे राज्य के लोग जम्मू-कश्मीर में जमीन नहीं खरीद सकते थे, लेकिन अब ये कानून नहीं है। अब यहां पर आरटीआई कानून लागू है और जहां पहले जम्मू-कश्मीर में सरकार का कार्यकाल 6 साल का होता था, अब वहां भी 5 साल के बाद चुनाव कराने का प्रावधान है।

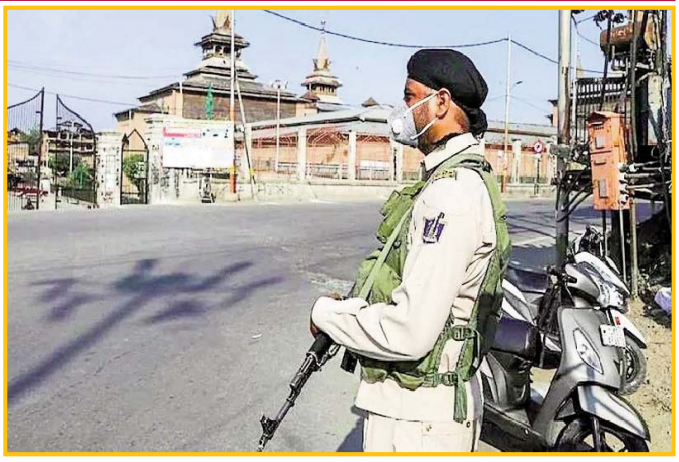

इसके अलावा पहले लद्दाख जम्मू-कश्मीर का हिस्सा था, लेकिन अब लद्दाख अलग से केंद्र शासित प्रदेश है । यह सब ऐसे बदलाव हैं जिनको पाकिस्तान और उसके द्वारा समर्थित आतंकी संगठन पचा नहीं पा रहे हैं। सुरक्षा बलों की अत्यंत सख्ती के चलते उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए प्रवासी मजदूरों अथवा बाहरी प्रदेशों से आए निर्दोष लोगों का नरसंहार कर उनके अंदर खौफ पैदा करने की घिनौनी साजिश चल रही है।

पाकिस्तान का उद्देश्य है कि जम्मू-कश्मीर एक बार पुनः अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन जाए। ऐसे में हर राजनैतिक दल और समाज के हर समुदाय को अपने निहितार्थों को त्यागकर देश और समाज हित में पाकिस्तान और आतंकियों के दुष्चक्र का पर्दाफाश करना चाहिए। इसके लिए न केवल हर नागरिक में सजगता जरूरी है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर अपना यथोचित योगदान कर पाकिस्तान और आतंकियों के मंसूबों को विफल करना चाहिये।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सर्दियों में आपकी सेहत

इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है। य ह खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।
- प्रातः एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।

- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रातः व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुल्ला कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नीबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नीबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

स्वस्थ रहने के आसान उपाय

सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौडऩा, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रातः टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रातः उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ

स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफौंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।

लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन

सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्त्व पाएं जाते है पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अजवायन

- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएंगे।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।

ADB
Asian Development Bank

एडीबी, एआईआईबी कोविड टीकों की खरीद के लिये भारत को दो अरब डॉलर का कर्ज देंगे

बीजिंग, चीन स्थित एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (आईआईबी) के साथ एशियाई विकास बैंक (एडीबी) भारत को कोविड-19 टीकों की खरीद को लेकर दो अरब डॉलर का कर्ज देने की प्रक्रिया में है। एआईआईबी के उपाध्यक्ष डी जे पांडियन ने मंगलवार को कहा कि कुल दो अरब डॉलर के कर्ज में मनीला स्थित एडीबी 1.5 अरब डॉलर देगा। जबकि एआईआईबी 50 करोड़ डॉलर उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा, ''एडीबी 1.5 अरब डॉलर वित्त उपलब्ध कराने को राजी हुआ है और एआईआईबी 50 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा।'' पांडियन ने कहा कि एआईआईबी निदेशक मंडल कर्ज पर विचार कर रहा है। भारत ने तीन महीने पहले कर्ज के लिये आवेदन दिया था। बैंक के अनुसार इस कर्ज से कोविड-19 टीके की 66.7 करोड़ खुराक खरीदे जाने की संभावना है।

वेदांता आस्ट्रेलिया की तांबा खान बेचेगी

नयी दिल्ली, वेदांता लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि उसकी इकाई मोंटे सेलो बीवी (एमसीबीवी) ने ऑस्ट्रेलिया में स्थित माउंट लायल तांबा खान को बेचने के लिए एक समझौता किया है। एमसीबीवी के पास माउंट लायल तांबा खान का 100 प्रतिशत स्वामित्व है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में कहा, ''वेदांता लिमिटेड की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली सहायक कंपनी एमसीबीवी ने तस्मानिया की तांबा खदान (सीएमटी) को न्यू सेंचुरी रिसोर्सेज के साथ एक विकल्प समझौते के माध्यम से बेचने करार किया है।''

एप्पल ने चीन में बिना चार्जर के आईफोन बेचने पर दायर किया मुकदमा - रिपोर्ट

बीजिंग। चीन में विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने आईफोन 12 प्रो मैक्स के साथ चार्जर शामिल नहीं करने के लिए टेक दिग्गज एप्पल पर मुकदमा दायर किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी जानकारी दी। छात्रों ने दावा किया कि शामिल यूएसबी-सी से लाइटनिंग केबल अन्य चार्जर के साथ संगत नहीं था। विज्ञापन के अनुसार जिससे एक छात्र फोन चार्ज करने में असमर्थ था। छात्रों ने तर्क दिया कि एप्पल इसका उपयोग केवल मैगसेफ वायरलेस चार्जर को बढ़ावा देने के बहाने के रूप में कर रहा था जो अपने वायर्ड समकक्षों की तुलना में अधिक ऊर्जा बर्बाद करते हैं। वे चाहते हैं कि आईफोन चार्जर की आपूर्ति करे और साथ ही कानूनी शुल्क और अनुबंध के उल्लंघन के लिए 100 युआन (16 डॉलर) का भुगतान करे। एप्पल ने कथित तौर पर बीजिंग वर्चुअल कोर्ट को बताया कि फोन ब्रांडों के लिए अलग से पावर एडेप्टर बेचना आम बात है और सरकार ने इस प्रथा को मंजूरी दे दी है। हालांकि, छात्रों ने बताया कि कई चीनी कंपनियां बॉक्स में एडेप्टर की पसंद की पेशकश करती हैं। उदाहरण के लिए, आप शाओमी एमआई 11 को पावर ब्रिक के साथ या उसके बिना खरीद सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मामला अभी भी चल रहा है और इसकी कोई गारंटी नहीं है कि इससे छात्रों को मुआवजा मिलेगा या एप्पल की नो-चार्जर नीति में बदलाव होगा। यहां तक कि अगर मामला परिवर्तन का संकेत देता है, तो यह केवल ऐप्पल को चार्जर को चेकआउट के विकल्प के रूप में पेश कर सकता है।

निर्मला सीतारमण रोम में जी-20 के वित्त, स्वास्थ्य मंत्रियों की संयुक्त बैठक में हिस्सा लेंगी

नयी दिल्ली (एजेंसी),

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 29 अक्टूबर को रोम में जी-20 देशों के वित्त और स्वास्थ्य मंत्रियों की एक संयुक्त बैठक में हिस्सा लेंगी, जिसमें अन्य विषयों के अलावा कोविड महामारी की रोकथाम और प्रतिक्रिया पर चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्रालय ने ट्विटर पर लिखा, ÷केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोम में जी-20 के वित्त और स्वास्थ्य मंत्रियों की संयुक्त बैठक में हिस्सा लेने के लिए आधिकारिक यात्रा शुरू की जिसमें कोविड-19 की रोकथाम, उसके खिलाफ तैयारी और प्रतिक्रिया को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। यह बैठक रोम में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले होगी।÷ जी-20 देशों के वित्त और स्वास्थ्य मंत्री इस बात पर चर्चा करेंगे कि महामारी को लेकर प्रतिक्रिया को कैसे तेज रखा जाए तथा स्वास्थ्य एवं वित्त मंत्रालयों के बीच और समन्वय की व्यवस्था को कैसे बढ़ावा दिया जाए। जी-20 देशों के वित्त और स्वास्थ्य मंत्री इटली की अध्यक्षता में अपनी पहली संयुक्त बैठक के लिए रोम में इकट्ठा होंगे। इटली के अर्थव्यवस्था एवं वित्त मंत्री डेनियल फ्रेंको और स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्टो स्पेरांजा बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। बैठक 30-31 अक्टूबर, 2021 को रोम में होने वाले जी20 लीडर्स समिट (जी-20 शिखर सम्मेलन) की पूर्व संध्या पर होगी।

ल्यूपिन को दूसरी तिमाही में 2,098 करोड़ रु का एकीकृत शुद्ध घाटा

नयी दिल्ली, दवा निर्माता ल्यूपिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसे 2,098 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ। इसके उलट कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में 211 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। ल्यूपिन ने एक बयान में कहा कि दूसरी तिमाही में परिचालन से कुल राजस्व 4,091.3 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले यह 3,835 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान, कंपनी ने दो वादी समूहों के साथ विवाद के निपटान के लिए मधुमेह की एक दवा के कारोबारी क्षतिपूर्ति व्यय की खातिर 1,879.6 करोड़ रुपये का प्रावधान किया और साथ ही साथ बैक्टीरियल योनिओसिस (बीवी) के उपचार के लिए कारगर समझी जाने वाली दवा सोलोसेक के लिए 707.7 करोड़ रुपये के हानि व्यय का प्रावधान किया। ल्यूपिन के प्रबंध निदेशक नीलेश गुप्ता ने कहा, विकास को गति देने के हमारे निरंतर प्रयासों ने हमारी इस तिमाही में 4,000 करोड़ रुपये की बिक्री को पार करने में मदद की है। हम भारत में अपनी मजबूत वृद्धि को जारी रखते हुए अमेरिका में अपने राजस्व को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

पेटीएम का आईपीओ आठ नवंबर को खुलेगा, कंपनी का शेयर 18 नवंबर को सूचीबद्ध होगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)

पेटीएम का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आठ नवंबर को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 2,080 से 2,150 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। आईपीओ 10 नवंबर को बंद होगा। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड के पास दस्तावेज जमा किए हैं। इनको मूल्य दायरे के साथ 'अपडेट' किया जाएगा। कंपनी की योजना 18 नवंबर को अपने शेयरों को सूचीबद्ध कराने की है। पेटीएम ने अपने आईपीओ के आकार को बढ़ाकर 18,300 करोड़ रुपये करने का फैसला किया है। पहले यह 16,600 करोड़ रुपये था। कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक अलीबाबा समूह की कंपनी एंट फाइनेंशियल और सॉफ्टबैंक सहित मौजूदा निवेशकों ने कंपनी में अपनी अधिक हिस्सेदारी के विनिवेश का फैसला किया है। मौजूदा शेयरधारकों द्वारा अधिक हिस्सेदारी बिक्री से बिक्री पेशकश (ओएफएस) का आकार 1,700 करोड़ रुपये बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये हो जाएगी।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 1,158 अंक फिसला

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही भारी बिकवाली से बाजार टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,158.63 अंक करीब 1.89 फीसदी नीचे आकर 59,984.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 353.70 अंक तकरीबन 1.94 फीसदी फिसलकर 17,857.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में आईटीसी 5 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ ही सबसे ज्यादा घाटे में रहा। वहीं इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई और एचडीएफसी बैंक के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, एल एंड टी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एशियन पेंट्स के शेयर ऊपर आये हैं। जानकारों के अनुसार बड़ी वित्तीय और आईटी कंपनियों के शेयरों में आई बिकवाली से बाजार में यह गिरावट आई है। इससे निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख खंडवार सूचकांकों में गिरावट आयी है। निफ्टी पीएसयू बैंक (सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक) में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट आयी। कमजोर वैश्विक रुख के बीच वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के निपटान के अंतिम दिन खासकर वित्तीय शेयरों में बिकवाली से बाजार गिरा है। वहीं हाल में वित्तीय शेयरों में तेजी की वजह से बाजार में बढ़त आयी थी।

बजाज फाइनैंस लिमिटेड ने धमाकेदार तरीके से की दिवाली कैंपेन की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोग बड़े हर्ष और उल्लास के साथ आने वाले त्योहारों की तैयारियों में जुटे हैं, और ऐसे मौके पर बजाज फाइनैंस लिमिटेड ने बजाज फिनसर्व डायरेक्ट लिमिटेड के साथ मिलकर अपने दिवाली कैंपेन 'EMI है ना' की धमाकेदार शुरुआत की है। इसके तहत बजाज फिनसर्व डायरेक्ट लिमिटेड के बजाज फिनसर्व EMI स्टोर (www.emistore.com) के जरिए अलग-अलग ब्रांड्स के तरह-तरह के प्रोडक्ट्स की EMI पर खरीदारी करने पर ग्राहकों आकर्षक छूट और कैशबैक का प्रस्ताव दिया जा रहा है। ग्राहक बेहद मामूली डाउन-पेमेंट के साथ विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, घरेलू उपकरणों, स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच, फर्नीचर, फिटनेस उपकरण, घरेलू साज-सज्जा के सामान, एक्सेसरीज़, किचन अप्लायंसेस तथा इसी तरह के अन्य सामानों की खरीद पर जबरदस्त छूट का फायदा उठा सकते हैं। यह कैंपेन 15 नवंबर, 2021 को समाप्त होगा। इस कैंपेन का जिंगल बेहद आकर्षक है, जो ज्यादा कीमत वाले अपने पसंदीदा लाइफ़स्टाइल प्रोडक्ट्स की खरीदारी करते समय भारत के ज्यादातर मध्यवर्गीय ग्राहकों के मन में आने वाली भावनाओं को दर्शाता है। 'EMI है ना' कैंपेन के जरिए, यह ब्रांड देश के अलग-अलग शहरों में रहने वाले सभी ग्राहकों को अपने पसंदीदा सामानों की कभी भी, और कहीं भी खरीदारी करने और इससे होने वाले फायदे का अनुभव करने में सक्षम बनाता है। इस कैंपेन में खरीदारी करने और मासिक किस्तों के जरिए इसकी रकम चुकाने के संदर्भ में भारत के 'एक मंत्र से एकजुट' होने की बात, यानी 'EMI है ना' की बात शामिल है। फिलहाल यह कैंपेन बजाज फिनसर्व के सोशल मीडिया चैनलों (जैसे कि फेसबुक, ट्विटर, लिंक्डइन, यूट्यूब), ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म (जैसे गाना, जियोसावन), रेडियो, इम्फोटेनमेंट और दूसरे OTT चैनलों सहित सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव चल रहा है। ब्रांड ने इस कैंपेन के लिए 360-डिग्री स्ट्रेटजी माध्यम से, 'EMI है ना' को बजाज फिनसर्व की सहयोगी कंपनियों, यानी बजाज फाइनैंस लिमिटेड, और बजाज फिनसर्व डायरेक्ट लिमिटेड का पर्याय बनाने की कोशिश की है। इस जोश एवं उत्साह को और बढ़ाने के लिए, कंपनी ने एक वर्चुअल गेम भी तैयार किया है। ग्राहक इस वर्चुअल गेम में भाग ले सकते हैं और अधिकतम स्कोर हासिल कर सकते हैं। इसमें भाग लेने वाले ग्राहकों को पुरस्कार के रूप में कैशबैक का फायदा भी मिलेगा। बजाज फिनसर्व EMI स्टोर अपने सम्मानित एवं भरोसेमंद भागीदारों के नेटवर्क के माध्यम से ग्राहकों को परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने का भी वादा करता है। कई तरह के डील्स, छूट, ऑफ़र, डिजिटल वीडियो, गेम, इसके लिए तैयार किए गए विशेष वेबपेज और तीसरे पक्ष के सहयोग के अलावा, ब्रांड ग्राहकों को न्यूनतम कागजी कार्रवाई एवं प्री-अप्रूव्ड लोन जैसे फायदों के साथ-साथ बेहद कम समय में लोन के वितरण के लिए पूरे भारत में मौजूद 43,000 से ज्यादा विक्रेताओं के नेटवर्क का लाभ उठाना चाहता है। ग्राहक अपने बजाज फिनसर्व ईएमआई नेटवर्क कार्ड का उपयोग करके अपने पसंदीदा स्टोर से या ऑनलाइन खरीदारी कर सकते हैं। ग्राहकों को रिवॉर्डस तथा प्रमोशन के जरिए बचत का प्रस्ताव देने के लिए भी यह कैंपेन चलाया जा रहा है।

बजाज फाइनैंस लिमिटेड द्वारा ग्राहकों को अपने विवेक से फाइनैंस की सुविधा प्रदान की जाती है, और यह लोन कंपनी द्वारा निर्धारित नियमों व शर्तों के अधीन होगा। दिए जाने वाले रिवॉर्डस भी इस प्रमोशन कैंपेन के नियमों व शर्तों के अधीन हैं।

इंटेल ने की 12वीं पीढ़ी के एल्डर लेक डेस्कटॉप सीपीयू की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंटेल ने आधिकारिक तौर पर कंपनी के एल्डर लेक आर्किटेक्चर पर आधारित 10एनएम फैब्रिकेशन प्रक्रिया का उपयोग करते हुए डेस्कटॉप के लिए अपने नए 12वें जनरल कोर प्रोसेसर की घोषणा की है। छह मॉडलों में से तीन में कोर आई9-12900के, कोर आई7-12700के, और कोर आई5-12600के शामिल हैं, शेष तीन पूर्वोक्त मॉडल के केएफ संस्करण हैं (एफ एक एकीकृत जीपीयू की कमी को दर्शाता है)।

कंपनी ने एक बयान में कहा, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेमिंग प्रोसेसर, 12वीं पीढ़ी के इंटेल कोर आई9-12900के सहित छह नए अनलॉक किए गए डेस्कटॉप प्रोसेसर को लॉन्च किया है। इसी के साथ 5.2 गीगाहर्ट्ज तक के अधिकतम टर्बो बूस्ट और 16 कोर और 24 थ्रेड्स के साथ, नया डेस्कटॉप प्रोसेसर उत्साही गेमर्स और पेशेवर रचनाकारों के लिए बहु-थ्रेडेडप्रदर्शन की नई ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं। ये नए प्रोसेसर इंटेल 7 प्रक्रिया का उपयोग करके बनाए गए हैं और एक हाइब्रिड आर्किटेक्चर का उपयोग करते हैं जिसमें कम गहन कार्यभार को संभालने के लिए कार्यभार और कुशल ई-कोर की मांग को संभालने के लिए शक्तिशाली पी-कोर शामिल हैं। प्रदर्शन के मामले में, इंटेल का दावा है कि नए 12वीं पीढ़ी के प्रोसेसर अब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेमिंग प्रोसेसर हैं, जब 31 शीर्षकों में रायजन 9 5950एक्स के मुकाबले तुलना की जाती है।

कंपनी पिछली पीढ़ी के इंटेल चिप्स की तुलना में बेहतर उत्पादकता प्रदर्शन का भी दावा करती है। 12वीं पीढ़ी की इंटेल एल्डर लेक भी पीसीआईई जेन 5 (16 लेन तक) और 4800एमटी/एस तक की डीडीआर5 मेमोरी को सपोर्ट करने वाले सीपीयू का पहला सेट है। इसके अलावा, ये सीपीयू एक्सई आर्किटेक्चर पर आधारित उन्नत इंटेल यूएचडी ग्राफिक्स के साथ एकीकृत वाईफाई 6ई समर्थन के साथ भी आते हैं। इंटेल कोर 9-12900के की कीमत 589 डॉलर है, केएफ संस्करण 564 डॉलर में उपलब्ध है।

कोर आई7-12700के की कीमत 409 डॉलर है और केएफ वैरिएंट की कीमत 384 डॉलर है। इस बीच, कोर आई5-12600के 289 डॉलर पर उपलब्ध होगा और केएफ संस्करण की कीमत 264 डॉलर होगी।

कोयला संकट से ताप बिजली संयंत्रों की 10 प्रतिशत क्षमता अब भी 'प्रभावित': रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)

बिजली की मांग में अस्थायी गिरावट के बावजूद ताप बिजली संयंत्रों की क्षमता का 10वां हिस्सा अब भी 'प्रभावित' है। क्रिसिल रेटिंग्स ने बुधवार को इस बारे में आगाह करते हुए कहा कि शेष बचे वर्ष के दौरान कोयला भंडार 10 दिन से कम का रहेगा। हाल ही में एजेंसी ने कहा था कि कोयले की कमी यदि लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह भारतीय कंपनियों को प्रभावित कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोयला आधारित निजी बिजली स्टेशनों की 209 गीगावॉट क्षमता का लगभग 10 प्रतिशत कोयले की बढ़ती मांग के बीच प्रभावित है। भारी बारिश के कारण हाल ही में मांग में गिरावट के बावजूद कोयले की कमी बनी हुई है क्योंकि इनका भंडार केवल पांच दिन तक चलने वाला है। इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में घरेलू आपूर्ति में महामारी-पूर्व वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद कोयले की कमी गंभीर बनी हुई है।

सीएलपी इंडिया अब अप्रावा एनर्जी है

कम कार्बन उत्सर्जन वाली विविधीकृत ऊर्जा प्रदाता के रूप में भारत को लगभग दो दशकों तक पावर की आपूर्ति करने के बाद, सीएलपी इंडिया ने अपनी नई कॉर्पोरेट पहचान - अप्रावा एनर्जी के तहत् विकास में तेजी लाने के लिए आज एक नए अभियान की घोषणा की। भारत में हरित अर्थव्यवस्था (ग्रीन इकनॉमी) के विकास का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, अप्रावा एनर्जी मध्यम अवधि में स्थानीय शेयरधारकों से भागीदारी को प्रोत्साहित करने का प्रयास करेगी।

अप्रावा एनर्जी विविधिकृत व्यवसाय बनाने की दृष्टि से भविष्य में कदम रख रही है, जो स्वच्छ, विश्वसनीय और किफायती ऊर्जा तक पहुंच के माध्यम से भारत के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी। इसने 2030 तक देश के 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य में योगदान देने के लिए अगले तीन से चार वर्षों में अपने मौजूदा ऊर्जा पोर्टफोलियो को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। गैर-उत्पादन क्षेत्र में अवसर तलाशने के लिए अपने क्षितिज का विस्तार करते हुए, अप्रावा एनर्जी ने बिजली पारेषण कारोबार का और विस्तार करने तथा बिजली वितरण में संभावनाओं को आगे बढ़ाने की योजना बनाई है। बिजली क्षेत्र का निजीकरण होने पर कंपनी कम कार्बन वाले ग्राहक-केंद्रित ऊर्जा व्यवसायों में प्रवेश करने पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित करेगी।

अप्रावा एनर्जी के प्रबंध निदेशक श्री राजीव रंजन मिश्रा ने कहा, ''पिछले दो दशकों में हमने ग्राहकों को विश्वसनीय, उच्च गुणवत्ता वाली ऊर्जा प्रदान करके वित्तीय रूप से लचीला व्यवसाय बनाया है, वहीं हमारे सभी हितधारकों को हमारे विश्व स्तरीय कारोबारी संचालन और परिचालन मानकों से लाभ हुआ है। हम अपनी विकास गाथा में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, ऐसे में अप्रावा एनर्जी हमेशा की तरह अपने देश और अपने हितधारकों के लिए प्रतिबद्ध है। अप्रावा एनर्जी कम कार्बन वाले राष्ट्र के विकास में सभी को स्वच्छ और सस्टैनेबल ऊर्जा प्रदान करने की भारत की महत्वाकांक्षा को पूरा करने में सहयोग करेगी। अगले पांच वर्षों में हम नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी बनना चाहते हैं और अपने पारेषण तथा वितरण कारोबार में उल्लेखनीय सफलता हासिल करना चाहते हैं। हम अपने हितधारकों के लिए जो कुछ भी करते हैं, उसके मूल में हमारे सिद्धांत, मूल्य और संस्कृति बने रहेंगे, जिसे हमने अपनी स्थापना के बाद से पोषित किया है। हम एक ऐसी स्थायी बिजली कंपनी बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो अपने कार्य से ऊर्जा का प्रतीक बने।''

सेबी ने अधिक मतदान अधिकार वाले शेयर से जुड़े पात्रता मानदंड में ढील दी

नयी दिल्ली (एजेंसी)

बाजार नियामक सेबी ने अधिक मतदान अधिकार वाले शेयर जारी करने से संबंधित नियमों में ढील दी है। इस कदम से आधुनिक प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियों को मदद मिलेगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि 1,000 करोड़ रुपये से अधिक नेटवर्थ वाले प्रवर्तकों के पास अपनी कंपनियों में अधिक मतदान का अधिकार हो सकता है। इसे मौजूदा 500 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये किया गया है। सेबी ने मंगलवार को एक अधिसूचना में कहा, ''अधिक मतदान अधिकार वाले शेयरधारकों का नेटवर्थ पंजीकृत मूल्यांककों द्वारा निर्धारित 1,000 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगा।'' नियामक ने कहा कि अधिक मतदान अधिकार (सुपरियर वोटिंग राइट-एसआर) वाले शेयरधारक के व्यक्तिगत नेटवर्थ का निर्धारण करते समय अन्य सूचीबद्ध कंपनियों में उसके निवेश/हिस्सेदारी पर विचार किया जाएगा, लेकिन जारीकर्ता कंपनी में उसकी शेयरधारिता पर गौर नहीं किया जाएगा। इसके अलावा एसआर शेयर जारी करने और विवरण पुस्तिका जमा करने के बीच न्यूनतम अंतर मौजूदा छह महीने से घटाकर तीन महीने कर दिया गया है। नियामक ने 2019 में विशेष रूप से प्रौद्योगिकी आधारित जारीकर्ता कंपनियों के लिए मतदान के अधिक अधिकार वाला ढांचा पेश किया था। यह नियम शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने को इच्छुक कंपनी में कार्यकारी पद धारण करने वाले प्रवर्तकों / संस्थापकों को एसआर शेयर जारी करने की अनुमति देता है। मतदान के अधिक अधिकार वाले शेयर कंपनी के प्रवर्तक/संस्थापक को कंपनी के मतदान अधिकार, उसके निदेशक मंडल और कंपनी कार्यों पर नियंत्रण प्रदान करते हैं।

Sports

एशेज में वार्नर ने ऑस्ट्रेलिया की 4-0 से जीत की भविष्यवाणी की

सिडनी। आस्ट्रेलिया के दिग्गज ओपनर बल्लेबाज डेविड वार्नर ने गुरुवार को एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मैच में 4-0 से टीम की जीत की भविष्यवाणी की हैं। उन्होंने यह बात सेन रेडियो स्टेशन से कही हैं। वार्नर इन दिनों खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और इसलिए हाल ही में दुबई में हुए आईपीएल के दौरान सनराइजर हैदराबाद की ओर से छह मैचों में उनको बैठना पड़ा था। दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने भविष्यवाणी की है कि टीम एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मैच में विरोधी टीम को धूल चटा देगी। बता दें कि 8 दिसंबर को सीरीज का पहला टेस्ट मैच गाबा में खेला जाएगा। बुधवार को वार्नर ने कहा, यह सीरीज चुनौतीपूर्ण होने जा रही है। ग्लेन मैक्ग्रा को 5-0 से प्यार था। लेकिन मैं मौसम को देखते हुए 4-0 से टीम की जीत के साथ जाऊंगा।

सौरव गांगुली एटीके मोहन बागान के निदेशक मंडल से हटे : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली संजीव गोयनका के स्वामित्व वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल क्लब एटीके मोहन बागान के निदेशक मंडल से हट गए हैं क्योंकि इस उद्योगपति के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की लखनऊ फ्रेंचाइजी के लिए सफल बोली लगाने के बाद हितों के टकराव की स्थिति बन सकती थी। गांगुली 2014 में आईएसएल की शुरुआत के बाद से एटलेटिको-कोलकाता का हिस्सा थे। क्लब को बाद में एटीके (आमार तोमार कोलकाता) नाम दिया और फिर बाद में दिग्गज क्लब मोहन बागान के साथ उसका विलय हो गया। गोयनका के आरपी-एसजी समूह ने सोमवार को आईपीएल की लखनऊ टीम 7090 करोड़ रुपए में खरीदी। आईसीसी के एक वरिष्ठ सूत्र ने एक न्यूज एजेंसी से कहा, 'हां, सौरव गांगुली पहले ही एटीके मोहन बागान प्रबंधन को पत्र भेज चुके हैं और उन्हें सूचित कर दिया है कि वह क्लब के निदेशक मंडल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे क्योंकि आरपी-संजीव गोयनका समूह अब आईपीएल टीम के मालिक हैं और यह हितों के टकराव का मामला हो सकता है। सूत्र ने कहा, 'आईपीएल बोली पूरी होने के बाद यह औपचारिकता थी और गांगुली ने जरूरी काम किया। आरपी-एसजी समूह के बोली में सफल नहीं होने तक यह हितों के टकराव का मामला नहीं था क्योंकि वे आईपीएल का हिस्सा नहीं थे। इससे पहले गोयनका ने सीएनबीसी-टीवी 18 से कहा था कि पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली निदेशक मंडल से हट जाएंगे। गोयनका ने कहा था, 'मुझे लगता है कि वह (एटीके) मोहन बागान

से पूरी तरह से हट जाएगा। मुझे लगता है कि आज। इस बारे में घोषणा सौरव को करनी है। मेरे कहने का मतलब है, माफ कीजिए। मुझे लगता है कि मैंने जल्दबाजी कर दी।

टी20 वर्ल्ड कप: स्कॉटलैंड को हराने के बाद नामीबिया टीम में खुशी की लहर

अबु धाबी (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में बुधवार को हुए मैच में नामीबिया ने स्कॉटलैंड को 4 विकेट से हराकर शानदार जीत हासिल की। इस सफलता के बाद नामीबिया की टीम में खुशी की लहर है। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने कहा कि उनके खिलाड़ियों ने क्वोलीफाइंग मैच में दो जीत के बाद सुपर 12 में जगह बनाई थी और वहीं प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए टी20 वर्ल्ड कप में एक और मैच जीता। इस जीत के बाद खिलाड़ी बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा,हम आने वाले मैचों में भी इसी तरह का प्रदर्शन करना चाहते हैं, जिससे टीम को टूर्नामेंट में काफी फायदा हो। मैच में नामीबिया ने स्कॉटलैंड को 108 पर ही रोक दिया था, रुबेल ट्रम्पेलमैन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए थे, जबकि लक्ष्यों का पीछा करने उतरी टीम के बल्लेबाज स्मिट ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई थी।

टी20 वर्ल्ड कप: श्रीलंका के खिलाफ मैच में चोटिल स्टार्क का खेलना अनिश्चित

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का गुरुवार को श्रीलंका के साथ होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मुकाबले में खेलना अनिश्चित है, क्योंकि ट्रेनिंग के दौरान पैर में चोट लग गई थी। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, बुधवार शाम को नेट प्रैक्टिस के दौरान स्टार्क लंगड़ाते और दर्द में दिखाई दे रहे थे। उसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन उनकी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है। दुनिया के शीर्ष सफेद गेंद वाले गेंदबाजों में शामिल स्टार्क को बुधवार शाम यहां आईसीसी अकादमी में नेट्स सेशन में लंगड़ाते और दर्द में अभ्यास करते हुए देखा गया था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को मंगलवार शाम नेट सत्र के दौरान गेंदबाजी करते समय दाहिने घुटने के ठीक ऊपर चोट लग गई थी और वह साफ तौर पर असहज महसूस कर रहे थे। हालांकि, स्टार्क ने बुधवार को अपने दाहिने पैर पर एक स्लीव लगाकर गेंदबाजी करते दिखे लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें इलाज के लिए जाने से पहले मेडिकल स्टाफ की मदद से नेट से बाहर जाते और तकलीफ झेलते हुए दिखे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने अभी तक उनकी चोट और उपचार के बारे में आधिकारिक रूप से सूचित नहीं किया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि स्टार्क गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच से दूर रह सकते हैं। इस मैच में अगर स्टार्क नदारद रहते हैं तो एश्टन एगर के प्रतिस्थापन के रूप में प्लेइंग इलेवन में आने की संभावना है। स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की जीत में चार ओवर में 2/32 विकेट झटककर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राजस्थान के दो पैरालिंपियन खेल रत्न के लिए नामांकित

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के दो पैरालंपिक खिलाड़ी अवनि लेखारा और कृष्णा नागर के नाम की सिफारिश खेलों के लिए सर्वोच्च सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए की गई है। दोनों ने हाल ही में आयोजित टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। अवनि ने निशानेबाजी में दो पदक जीते, जबकि नागर ने बैडमिंटन एसएच6 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। दोनों खिलाड़ी जयपुर के हैं और 1991 में शुरू हुए खेल रत्न के इतिहास में पहली बार एक ही शहर के दो खिलाड़ियों को इस पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। अवनि पैरालंपिक या ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 में स्वर्ण और महिलाओं की 50 मीटर एयर राइफल एसएच1 में कांस्य पदक जीता। अवनि पुरस्कार के लिए नामांकित होने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं।

2012 में, उनका एक एक्सीडेंट हो गया था, जिसके कारण उन्हें लकवा मार गया। हालांकि, बहादुर लड़की ने हार नहीं मानी और शूटिंग का अभ्यास कर सफलता हासिल की। नागर की कहानी भी संघर्षों से भरी है। वह एक लाइलाज बीमारी से पीड़ित थे जिसके कारण उनकी लंबाई लगभग 4.2 फीट तक सीमित हो गई। उनके परिवार ने उन्हें प्रेरित किया और वह पिछले कुछ वर्षों से पैरा-बैडमिंटन पुरुष एकल एसएच 6 श्रेणी में विश्व में नंबर 2 के स्थान पर हैं। टोक्यो पैरालंपिक खेलों में नागर ने हांगकांग के चू मान काई को 21-16, 16-21, 21-17 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

संक्षिप्त समाचार

गूगल ने डूडल के साथ जूडो के संस्थापक का जन्मदिन मनाया

नई दिल्ली। गूगल ने गुरुवार को जूडो के जापानी संस्थापक कानो जिगोरो का 161वां जन्मदिन जूडो के पिता और खेल पर एक डूडल के साथ मनाया। कई स्लाइड्स के साथ डूडल दिखाता है कि कैसे जिगोरो, जिनका जन्म 28 अक्टूबर, 1860 को हुआ था। उन्होंने विभिन्न मार्शल आर्ट तकनीकों का अध्ययन किया और जूडो की स्थापना की। एनिमेटेड डूडल में जिगोरो को जूडो के विभिन्न थ्रो और तकनीकों को विकसित करते हुए और अन्य शिष्यों को इसे सिखाने के लिए स्कूलों की स्थापना करते हुए दर्शाया गया है। एक जापानी शिक्षक और एथलीट जिगोरो की 1938 में 77 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई थी। उन्होंने ने एक नया खेल बनाने के लिए पारंपरिक रूप को संशोधित करते हुए जूडो के आधुनिक रूप की स्थापना की। जूडो व्यापक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला जापानी मार्शल आर्ट था और आधिकारिक ओलंपिक खेल बनने वाला भी पहला खेल था। यह जिगोरो ही थे जिन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट बेल्ट के उपयोग का आविष्कार किया और मार्शल आर्ट शैली के सदस्यों के बीच सापेक्ष रैंकिंग दिखाने के लिए डैन रैंकिंग की शुरूआत की। कानो के लिए प्रसिद्ध आदर्श वाक्यों में न्यूनतम प्रयास के साथ अधिकतम दक्षता और आपसी कल्याण और लाभ शामिल हैं। एक शिक्षक होने के अलावा, जिगोरो एक खेल प्रशासक भी थे और ओलंपिक खेलों का आयोजन करने वाली अंतर्राष्ट्रीयओलंपिक समिति का हिस्सा बनने वाले पहले एशियाई थे।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेटर एलिसा हीली ने की महिलाओं के लिए आईपीएल कराने की मांग

पर्थ। आईपीएल की दो नई टीमों (लखनऊ और अहमदाबाद) की घोषणा के बाद ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटर एलिसा हीली ने गुरुवार को महिलाओं के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) कराने की मांग की है। बीते सोमवार को आरपीएसजी ग्रुप ने 7090 करोड़ रुपये में लखनऊ टीम और सीवीसी कैपिटल्स ने 5625 करोड़ रुपये में अहमदाबाद की टीम को अपने नाम किया था। कोरोना महामारी के कारण महिला टी20 चैलेंज 2020 सीजन नहीं हुआ है, जबकि आईपीएल का 2021 सीजन भारत के बाद दूसरे फेस में यूएई में करवाया गया। एलिसा ने गुरुवार को द ऑस्ट्रेलियन से कहा, यह व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक था कि उन्होंने महिलाओं के खेलों को स्थगित कर दिया। उन्होंने आईपीएल को लेकर कहा कि जैसे यह दूसरे फेस में टी20 वर्ल्ड कप के नजदीक करवाया गया, वैसे ही महिला टी20 चैलेंज टूर्नामेंट को करवाया जा सकता था। उन्होंने कहा, मैं आशा करती हूं कि भविष्य में बीसीसीआई महिला आईपीएल कराने के ऊपर विचार करेगी।

नेशनल जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल में भिडेंगे झारखंड और हरियाणा

रांची (एजेंसी)। 11वीं नेशनल जूनियर वीमेंस हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड और हरियाणा की टीमें फाइनल में पहुंच गयी हैं। फाइनल मुकाबला 29 अक्टूबर शुक्रवार को खेला जायेगा। यह प्रतियोगिता झारखंड के सिमडेगा में पिछले 20 अक्टूबर से चल रही है। गुरुवार को खेले गये पहले सेमीफाइनल में हरियाणा ने नजदीकी मुकाबले में चंडीगढ़ को 3-2 से शिकस्त दी। हरियाणा की ओर से नीलम ने दूसरे और 54वें मिनट में गोल किया। इसके अलावा प्रीति ने 21 वें मिनट में एक गोल दागा। चंडीगढ़ की ओर से कविता और आरती कश्यप ने एक- एक गोल किया। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में मेजबान झारखंड ने महाराष्ट्र की टीम को 3-1 के अंतर से हराया। मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा। इस तरह से झारखंड की टीम ने लगातार तीसरे वर्ष फाइनल में जगह बनाई है। झारखंड की ओर से 14वें मिनट में रोपनी कुमारी ने पहला गोल किया। इसके बाद महाराष्ट्र की ओर से 17वें मिनट में काजल ने गोल किया। इसके बाद 42वें मिनट में झारखंड के लिए दीपिका सोरेंग और 50 वें मिनट में काजल बाड़ा ने गोल मारा। अंततः मुकाबला 3-1 से छूटा। बता दें कि इस प्रतियोगिता में कुल 26 राज्यों की टीमों ने भाग लिया। इसी

प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों का चुनाव होगा। 29 को दोपहर 3 बजे से होने वाले फाइनल मैच में खेल मंत्री हफीजुल हसन बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। 20 अक्टूबर को शुरू हुई प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था।

एशिया कप : एएफसी अंडर-23 क्वालीफायर मैच में यूएई ने भारत को हराया

यूएई (एजेंसी)। एएफसी अंडर-23 के एशियाई कप चैंपियनशिप के क्वालीफायर में यहां फुजैरा सिटी में खेले गए फुटबॉल मैच में भारत को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एकमात्र गोल से हरा दिया। बता दें कि तीन दिन पहले क्वालीफाइंग मैच में यूएई किर्गिज गणराज्य के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। वहीं, भारत अपना पहला मैच ओमान से जीता था। मैच के दौरान, दोनों टीमों का हाफ टाइम में 0-0 स्कोर था, लेकिन भारत ने 82वें मिनट में विरोधी टीम को बदकिस्मती से पेनल्टी दे दी। इसके बाद यूएई का खिलाड़ी अब्दुल्ला इदरीस ने इस मौके का फायदा उठाते हुए गोल कर अपनी टीम को जीत दिला दी। वहीं, ग्रुप ई के मैच में भी इसी तरह का खेल देखने को मिला। उस मैच में भी पेनल्टी के कारण ओमान ने एक गोल की मदद से किर्गिज गणराज्य को हरा दिया। भारत के कोच इगोर स्टिमैक ने अपने पिछले गेम में ओमान के खिलाफ 2-1 से जीतने के बाद टीम में केवल एक बदलाव किया था। जिसमें संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मिडफील्ड को और अधिक मजबूत बनाने के लिए अनिकेत जाधव की पर लालेंगमाविया को टीम में शामिल किया गया था। हाफ टाइम से पहले भारत ने यूएई के खिलाफ कई बार पर गोल करने की कोशिश की लेकिन विरोधी टीम ने हर प्रयास को नाकाम कर दिया। इसके बाद 82वें मिनट में भारत की एक गलती पर यूएई ने मैच में बढ़त बनाते हुए जीत दर्ज कर ली।

डेविड वार्नर ने कहा- आईपीएल के अगले सीजन की नीलामी में रखेंगे अपना नाम

सिडनी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सीजन की नीलामी जल्द होने वाली है। इसे लेकर ऑस्ट्रेलिया के ओपनर बल्लेबाज डेविड वार्नर ने गुरुवार को कहा है कि वह आईपीएल के अगले सीजन के लिए नीलामी में अपना नाम देंगे। क्योंकि वह इस लीग में एक नई शुरुआत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बारे में सेन रेडियो स्टेशन को जानकारी दी। वॉर्नर ने कहा, वह निश्चित रूप से नीलामी पूल में अपना नाम रखेंगे। क्योंकि उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा फिर से टीम में बनाए रखने की उम्मीद नहीं है। इसलिए अगले सीजन में वो एक नई शुरुआत करना चाहते हैं। वार्नर इस समय खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा, अभी भी सनराइजर्स हैदराबाद से उन्हें टीम से बाहर करने के ऊपर कोई स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं हुआ है। वार्नर ने कहा, उन्होंने अपना अंतिम मैच सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला है, साथ ही कहा कि उन्होंने इस टीम के साथ आठ सीजन बिताए हैं, इस दौरान टीम ने 2016 में खिताब अपने नाम किया था। इस बात की खुशी है।

पोकर स्पोर्ट्स लीग (पीएसएल) सीजन 4 यहां एक फिजिटल प्रारूप में है

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन सत्रों की अविश्वसनीय सफलता के बाद पोकर स्पोर्ट्स लीग (पीएसएल) सीजन 4 यहां एक नए अवतार - फिजिटल में है। गेमिंग क्षेत्र में एकीकृत प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक प्रसार के साथ, इस सीजन का पीएसएल पहले से कहीं अधिक बड़ा और रोमांचक है। भारत की पहली पोकर लीग - पीएसएल के ऑनलाइन क्वालीफायर 25 नवंबर से शुरू हो रहे हैं और लीग दो महीने तक चलेगी और प्रति सप्ताह 2-3 मैच वर्चुअल रूप से आयोजित किए जाएंगे। महामारी के बाद पहली बार 7 फरवरी से 13 फरवरी, 2022 तक सीजन के समापन का सीधा प्रसारण किया जाएगा। गेमिंग भावना पर सवार होकर टूर्नामेंट खिलाड़ियों को अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करने का मौका देगा और माइंड स्पोर्ट श्रेणी में नवोदित खिलाड़ियों के लिए रास्ते खोलेगा। यदि प्रतिभागियों का चयन किया जाता है, तो उन्हें क्वालीफायर की तैयारी के दौरान देश में सर्वश्रेष्ठ के साथ अभ्यास करने और अपने खेल में सुधार करने का एक प्रतिष्ठित अवसर मिलेगा। आपको बस इतना करना है कि हैशटैग पोकर डाउनलोड करें और मूल बातें मुफ्त में सीखें। केपीएमजी के अनुसार, 2025 में 3.9 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की वृद्धि को देखते हुए भारतीय ऑनलाइन गेमिंग उद्योग परिवर्तन के कगार पर है। इस मजबूत विकास ने खिलाड़ियों के लिए बेहतर सामाजिक कौशल, निर्णय लेने के कौशल, बेहतर मस्तिष्क कार्य, प्रमुख कौशल के विकास और स्मृति वृद्धि को बढ़ावा दिया है। फिजिटल जैसी नई तकनीकों को अपनाना इस विकास का एक वसीयतनामा है, क्योंकि गेम डेवलपर्स और प्रकाशकों की एक बहु-आयामी पारिस्थितिकी तंत्र में उपस्थित होने में प्रत्यक्ष रुचि है, जहां सभी पहलू परस्पर जुड़े हुए हैं। पोकर स्पोर्ट्स लीग के सीईओ और संस्थापक प्रणव बगई ने सीजन की घोषणा करते हुए कहा, गेमिंग क्षेत्र नए रास्ते और तरीके खोल रहा है, जहां शौकिया खिलाड़ी सीख सकते हैं और क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रशिक्षित हो सकते हैं। संगम को देखकर हम रोमांचित हैं। इस क्षेत्र में तकनीकी एकीकरण के रूप में यह जीवन के हर पहलू में एक पुरस्कृत अनुभव बन गया है। यह कहने के बाद कि पिछले सीजन में हमें एक उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है और हम अपने प्रमुख उत्पाद, पोकर स्पोर्ट्स लीग को इस साल एक फिजिटल प्रारूप में पेश करने के लिए उत्साहित हैं।

बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक के पहले स्टाफ के लिए तैयार वेशभूषा में नजर आयीं मॉडल्स।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द गुरुवार को

२८ से ३० अक्टूबर तक गुजरात यात्रा पर जाएंगे

अहमदाबाद ।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द गुरुवार को तीन दिन की गुजरात यात्रा पर आएंगे । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ३१ अक्टूबर को केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शिरकत करेंगे । राष्ट्रपति कोविंद गुरुवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे । यहां से वे सीधे गांधीनगर राजभवन जाएंगे । गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के साथ राष्ट्रपति गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुलाकात करेंगे । शुक्रवार को राष्ट्रपति भावनगर जिले के महुवा में स्थित मुरारी बापू के तलगाज रड़ा आश्रम जाएंगे । राष्ट्रपति भावनगर में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए १०८८ आवासों का लोकार्पण करेंगे । शनिवार को गोविंद नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ३१ अक्टूबर को गुजरात की एक दिन की यात्रा पर होंगे । नर्मदा जिले के केवड़िया में सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शिरकत करेंगे । जल, थल व वायु सेना सहित देश के विभिन्न सैन्य बलों तथा गुजरात पुलिस की ओर से यहां एक परेड का भी आयोजन होगा । सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में यहां देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले कलाकार भव्य वह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे । इसके बाद शाह अमूल डेयरी की स्थापना की ७५ वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह में शामिल होंगे । केंद्रीय पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला व गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित राज्य मंत्रीमंडल के सदस्य भी समारोह में शामिल होंगे । शाह व रुपाला तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अमूल के परिसर में डा कुरियन संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे । गुजरात पुलिस के जवानों का ग्रेड पे आंदोलन जोर पकड़ रहा है, वही सरकार के प्रवक्ता जीतूभाई वाघाणी ने कहा है कि सरकार नियमानुसार वेतन भत्ते देने को तैयार है, लेकिन किसी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी । गुजरात के पुलिस जवानों की ग्रेड पे की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन राज्य के अन्य शहरों में भी होने लगा । गांधीनगर सूरत अरवल्ली गोधरा आदि शहरों में पुलिसकर्मियों के परिवार वाले धरना व रैली कर रहे हैं । सूरत में गांधीनगर में पुलिसकर्मी व पुलिस के परिजनों के बीच टकराव भी हुआ । पुलिस के जवान सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन व भत्तों की मांग कर रहे हैं । सरकार के प्रवक्ता जीतू भाई ने कहा है कि नियम के अनुसार सरकार इस मामले में कर्मचारियों से बात करने को तैयार है लेकिन पुलिस विभाग में हड़ताल आंदोलन जैसी अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । वाघाणी ने कहा की त्योहार के मौके पर नागरिकों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए, पुलिस विभाग में हड़ताल सरकार सहन नहीं करेगी ।

किताबें फ्री ,जितनी बॉक्स में आए ले जाए, चार दिवसीय किताब लवर्स बुक फेयर का आयोजन

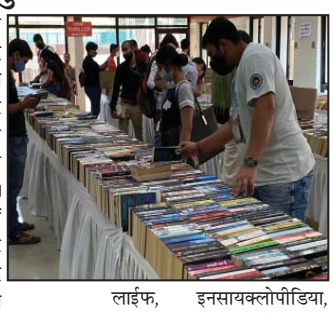

सूरत भूमि, सूरत।

सूरत षहर के पुस्तक प्रेमियों के लिए एक बडा बुक फेयर आयोजित हुआ। इस बुक फेयर में हजारों लेखको की हजारो विषयो पर 2 लाख से ज्यादा किताबों को विषाल संग्रह प्रदर्षित किया गया है। इस अनूठे पुस्तक मेले में किताबें फ्री है लोगों को बॉक्स खरीदना होगा। बॉक्स में जितनी किताबें आए साथ ले जा सकते है। किताबों से दुर हो रहे युवाओं को जोडने के लिए यह नया कांसेप्ट लाया गया है।

उपरोक्त जानकारी देते हुए संस्था किताब लवर्स के श्री हरप्रीतसिंह चावला ने दी। उन्होने बताया कि बुक फेयर किताब लवर्स का आयोजन राजहंस थिएटर के सामने इस्कॉन मॉल, पिपलोद, सूरत में 28 से 31 अक्टूबर तक है। श्री चावला ने बताया कि प्रदर्षनी का मकसद डिजीटल दुनिया में किताबों और साहित्य से दूर होते युवाओं को इसकी महत्ता बताना है। आज भी किताबों को हाथों में लेकर पढना एक सुखद अहसास कराता है। संस्था अब तक देष भर में 16 से ज्यादा प्रदर्षनी लगा चुकी हैं। प्रदर्षनी के बारे में जानकारी देते हुए उन्होने बताया कि यंहा हजारों लेखकों की 2 लाख से ज्यादा किताबो का संग्रह है। जिनमें साहित्य, किस्से कहानियों और कविताओं की किताबो के साथ ही, बायोग्राफिक, अपराध, ज्योतिष, राजनीतिक परिदृष्यों, इंटरनेषनल इष्युज, कुकिंग, डिक्सनरी, फोटोग्राफी, वाईल्ड लाईफ, इनसायक्लोपीडिया, रोमांस, फंटेसी, धर्म और विज्ञान की किताबे षामिल है।

हिंदी और इंग्लिष विषय की इन किताबों के सैकडों नेषनल और इंटरनेषनल आथर्स है। प्रदर्षनी में विभिन्न विषयो की बेस्ट सेलर किताबो को भी प्रदर्षित किया गया है। श्री चावला ने बताया कि प्रदर्षनी आयोजन कोविड की आदर्ष गाईडलाईन का पालन करते हुए ही किया जा रहा है।

शराब की डीलिवरी हो इसके पहले कंटेनर पकड़ा गया

राजकोट ।

दीवली के त्यौहार में प्यास बुझाने के लिए राजकोट सहित सौराष्ट्र के बुटलेगर शराब की बेचने के लिए सक्रिय हुए हैं । अब दूसरी तरफ पुलिस भी शराब के व्यापारी पर रौब जमा रही है । गत दिन शापर-वेरावल के पास १३.५३ लाख के शराब का जत्था से भरा कंटेनर रूरल क्राइम ब्रांच ने जब्त करके राजस्थान के एक शख्स को गिरफ्तार किया है । राजकोट एलसीबी स्टाफ पेट्रोलिंग में थे इस दौरान एलसीबी शाखा के स्टाफ को मिली सच्चाई के आधार पर कोटडासांगाणी तहसील के शापर वे में नेशनल हाइवे रोड पर से भारतीय निर्मित विदेशी शराब का जत्था भरकर वाहन करके जूनागढ़ तरफ जाने वाली कंटेनर से भारतीय निर्मित विदेशी शराब की बोतल नंग-३७३२ जिसकी कीमत १३.५३ रुपया तथा कंटेनर के साथ मिलाकर कुल २८ लाख से ज्यादा का मालसामान के साथ हेमाराम रेखाराम जानकर गिरफ्तार कर लिया था । गिरफ्तार हुआ हेमाराम ने यह शराब का ज तथा राजस्थान से लाने की और ज ूनागढ़ पहुंचाने की कबूलात की थी । जूनागढ़ पहुंचने के बाद शराब का जत्था मंगवाने वाले को वाट्सएप कॉल करना था लेकिन शापर के पास ही शराब का जत्था जब्त कर लिया गया । महत्वपूर्ण है कि कंटेनर में शराब भरने के लिए दो अलग अलग विभाग किया गया था जिसमें से एक छोटा खाने का बनाकर नीचे के विभाग में या ऊपर के विभाग में आना जाना किया जा सकता था । जिसकी वजह से प्राथमिक जांच में पुलिस को आशंका नहीं हो लेकिन बुटलेगर के आइडिया को पुलिस ने विफल बना दिया और लाखों रुपये का शराब जब्त कर लिया गया । दीवाली का त्यौहार निकट है तब बुटलेगर अलग-अलग तरीके से अलग-अलग जगह पर शराब करते है । लेकिन त्यौहार होने से पुलिस भी इतनी ही सतर्क हो चुकी है और अलग-अलग चेकपोस्ट तथा जिस जगह पर पेट्रोलिंग करके संदिग्ध वाहनों तथा लोगों को चेकिंग करते हैं।

गुजरात में ५० करोड़ रुपये की चोपडे की बिक्री

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद दीवाली का त्यौहार निकट है तब हिंदू शास्त्र के अनुसार चोपडे की पूजा का इतना महत्व रहा है जिसकी वजह से कॉम्प्युटर और लैपटोप के युग में भी वर्षो पुरानी परंपरा निभाकर चोपडे की पूजा आज भी हरएक व्यापारी अपने व्यापार में मुनाफे से लेकर बहुत तक की सभी जानकारी वर्षो तक की चोपडे में बताया जाता है । कोरोना में २० से ३० फीसदी बिजनेस घट गया है फिर भी पूरे गुजरात में हिसाबी चोपडे की रुपया ५० करोड़ की बिक्री है । विक्रम संवत के अंतिम दिन दिवाली को शुभ दिन में व्यापारी नए वर्ष के लिए इस्तेमाल करने वाले चोपडे की पूजा करते है और नये साल के दिन शुभ दिन में नये वर्ष का हिसाबकिताब लिखते है । आज के जमाने में तो अब कई गुजराती पीढ़ी मॉडर्न अकाउंटिंग पद्धति (डबल एंट्री बुक कीपिंग) अपना ली है । वह चोपडे में हिसाब लिखने के बदले कॉम्प्युटराइजड अकाउंटिंग सिस्टम पर ज्यादा विश्वास रखते है । फिर भी चोपडा पूजा की प्रथा की वजह से व्यापारी दीवाली के दिन चोपडे की पूजा करना भूलते नहीं है । कई व्यापारी तो चोपडे के साथ कॉम्प्युटर की पूजा कराते है रिश्तेदार को निमंत्रित करके व्यापारी धूमधाम से चोपडे की पूजा करते है । चोपडा खरीदने के लिए भी प्रत्येक व्यापारी कुछ निश्चित कागदीवाला के पास ही जाता है । अहमदाबाद का वर्षो पुराना ऐसा गांधीब्रिज के नीचे ही व्यापारी इस वर्ष ५० करोड़ रुपये की बिक्री में एडवांस ऑर्डर दिया है हालांकि महंगाई होने पर भी व्यापारी चोपडे लेने के लिए मार्केट में आ रहे है । चोपडा बनाने वाले और ब्रिज के नीचे बेचने वाले व्यापारियों का कहना है कि, कोरोना में २० से ३० फीसदी बिजनस घट गया है फिर भी पूरे गुजरात में हिसाबी चोपडे का है । महत्वपूर्ण है कि पिछले दो वर्ष से त्यौहार फीक्का था हालांकि कोरोना काल की महामारी भुल गई है और महंगाई के बीच भी भी बजट बचाकर भी त्यौहार मनाने और नये हिसाबी वर्ष की शुरूआत करने के लिए व्यापारियों ने खरीदी शुरू की है ।

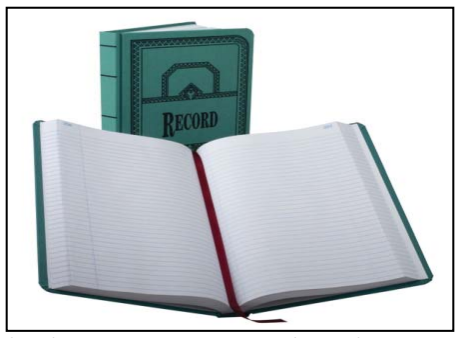

गृह मंत्री ने भगवान आदिनाथस्वामी को सिंहसत्वोत्सव की पहली कंकोतरी लिखी

सूरतभूमि, सूरत। तीसरे सामूहिक दीक्षा महोत्सव-सिंहसत्वोत्सव के कंकोतरी लेखन के साथ बहुप्रतीक्षित त्योहार की अच्छी शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर गुजरात के गृह मंत्री श्रीहर्षभाई संघवी और जैन समुदाय के लाडीला ने भगवान आदिनाथ स्वामी को उत्सव की पहली कंकोतरी लिखी और स्वयं को धन्य महसूस किया। सणवाल निवासी शांतिलाल अनोपचंद सांघवी ने उपाधान तप के मंडवाडे को लाभान्वित किया, पत्रिका लिखने का लाभ धनेरा निवासी जयंतीलाल दानसुंगभाई अजबानी परिवार ने लिया।

श्री शांतिकनक श्रमणोपसाक ट्रस्ट अध्यात्म परिवार द्वारा आयोजित और सूरीरामचंद्र और सूरीशांतिचंद्र समुदाय सूरी भगवंतो , पदस्थ भगवंतो आदि एक बड़ी श्रम शक्ति का निस्तारक निशरा में रहने वाले महापुरुषों की महिमा और उपकारक तथा दीक्षा के महानायक सूरी योग के तपस्वी भाषण के प्रभाव में 74वें सामूहिक दीक्षा उत्सव के गुरुवार को कंकोतरी लिखी गई थी। पुनर्निर्मित ज्योतिर्धर अ.भ.श्री मुक्तिप्रभासुरीजी, दीक्षार्थियों के सार्थवाह श्री योगतिलकसूरीजी आदि के निश्रा में नियोजित प्रतीका लेखन में जैन समुदाय के नेताओं के साथ सौराष्ट्र समुदाय के नेता भी मौजूद थे।

जिसमें पद्म श्री मथुरभाई सवानी, सेवंतिकाका, नीरवभाई शाह, लालजीभाई, विनोदभाई अजबानी जैसे 100 से अधिक नेताओं, मोभी, ट्रस्टियों ने एक पुस्तिका लिखी और दीक्षा धर्म की प्रशंसा की पत्रिका लिखने के शुभ अवसर पर आध्यात्मिक सम्राट योगतिलक सूरीश्वरजी महाराज ने त्याग की महिमा को हृदयस्पर्शी प्रवचन से समझाया। इस शुभ दिन पर जिनविहार के मध्य में पू. मोटासाहेबजी की गुरुमूर्ति प्रतिष्ठा का मुहूर्त प्रदान किया गया। रवींद्र शाह ने मनन संघवी द्वारा सुंदर प्रबंधन और संगीत दिया। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर से 29 नवंबर तक पांच दिवसीय सिंहसत्वोत्सव के नाम से 74 सामूहिक दीक्षाएं वेसु के बल्लार हाउस में अध्यात्म नगरी में और 10,29. नवंबर को प्रभुवीर दीक्षा कल्याणक कार्तिक वाद और 74 को सिंहसत्वधारो सर्वसंग का त्याग करेंगे। जिसकी जोरशोर से तैयारी चल रही है।

पाल स्थित निर्माणाधीन एस.सी.जे जैन स्कूल तपोवन विद्यालय परिसर का भूमि पूजन संपन्न

सूरतभूमि, सूरत।

पाल स्थित सेंकटम सेलिना के सामने निर्माणाधीन एस.सी.जे. जैन स्कूल तपोवन विद्यालय (सूरत) परिसर का भूमि पूजन व खातमुहूर्त के अवसर पर मेयर हेमालिबेन बोघावाला , भू. पु. डे. महापौर नीरव शाह, भरतभाई छायावाला, सेवंतीभाई मारवाड़ी, नितिनभाई अदानी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पू. गच्छाधिपति श्री हेमप्रभासूरीजी म.ना . शिष्य पू श्री मुक्तिनिलय सूरीजी म.,पू. ए. श्री प्रश्मेराप्रभासुरीजी म.,पू. पन्यासप्रवर पद्मदर्शन विजयजी म.,पीपी श्री मनोभूषण विजयजी म. आदि श्रमण-श्रमणी भगवंतो के पवित्र निवास में संस्कार शिक्षा के स्कूल का उद्घाटन किया गया। युगप्रधान आचार्य सम्पन्नसावर के शिष्य श्री चंद्रशेखर विजयजी महाराजा पीए श्री मलयाकीर्तिसुरीजी म.ना ., की शुद्ध प्रेरणा और निस्वार्थ प्रयास से यह परिसर बनाया जा रहा है। सूरत स्थित जैनाचार्यों का भी आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

तपोवन-विद्यालय संकुल पर आशीर्वाद भेजते हुए पू. श्री मुक्तिनिलय सूरीजी ने कहा कि जन्म देने वाले, शिक्षा देने वाले, ज्ञान देने वाले, संस्कार देने वाले और धन देने वाले इन पांचो का हमारे ऊपर बहुत आभार है। पूज्यश्री ने शिक्षा की अनिवार्यता पर जोर दिया। पू पन्यास पद्मदर्शनजी महाराज ने कहा कि शिक्षा और संस्कार नामक दो पंखों के बिना राष्ट्र, संस्कृति और धर्म के क्षेत्र में विकास संभव नहीं है। शिक्षा और स्वच्छता अभियानों के माध्यम से छोटे अंतर्देशीय क्षेत्रों में भी जागरूकता और आत्मनिर्भरता पैदा की गई है। तपोवन का एक सपना तपोवन की शिक्षाशास्त्र के माध्यम से संस्कारों का प्रसार करना है। शिवाजी, विवेकानंद चंद्रशेखर आजाद और वीर सावरकर जैसे क्रांतिकारी ऐसे शिक्षण संस्थानों से पैदा होंगे। जब संस्कारों की सफाई हो रही हो तो तपोवन स्कूल बंद कर देना चाहिए।

सूरत शहर की मेयर हेमालीबेन ने कहा कि शिक्षा, स्वच्छता और धन का सदुपयोग समाज, राष्ट्र और संस्कृति के उत्थान के लिए जरूरी है.

शिक्षण परिसर की सराहना की। तपोवन विद्यालय जैन स्कूल परिवार से मेयर, डे. महापौर व समाजसेवियों का सम्मान किया गया। खाता मुहूर्त तपोवन विद्यालय जैन स्कूल के मुख्य दानदाताओं कांतिलाल लल्लूभाई झवेरी परिवार और सेवंतीभाई मारवाड़ी द्वारा किया गया था। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। प्रसंग को उज्वलित करने के लिए निकुंज शाह सी.ए. द्वारा मंच का सफल संचालन किया। भरतभाई छन्याडावाला ने धन्यवादविधि किया। इस कार्यक्रम में भानुभाई शाह, भिखाई शाह, पार्षद नंशीबेन आदि ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दी। संस्था के ट्रस्टी अनिलभाई सेठ, गिरीशभाई, राजूभाई वरैया के साथ-साथ मेहनती कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत कर समाज को संदेश दिया। शिक्षक और प्रधानाध्यापक ने बच्चों को अद्भुत शिक्षा दे रहे हैं।

सूरत में होश गंवा बैठे शख्स ने बच्चे की फेंट पकड़कर पीटा

शख्स ने मां को मारने की धमकी दी, साजिश करने वाले शख्स का भाई उच्च सरकारी पद पर होने की जानकारी मिली

सूरत ।

सूरत शहर में अब बच्चों को पीटने की घटना सामने आई है । कुत्ते को लेकर निकले बच्चे को एक शख्स द्वारा पीटा गया था । शख्स ने मासूम बच्चे को जमीन पर गिरा दिया था । इतना ही नहीं, इसकी मां को मारने की धमकी दी है । यह साजिश करने वाले शख्स का भाई उच्च सरकारी पद पर होने की जानकारी मिली है । सूरत के धोडदोड रोड की आचमन सोसाइटी में मंगलवार की रात को ८बजे के करीब यह घटना हुई है । जिसमें ११ वर्ष का मासूम बच्चा अपने कुत्ते को लेकर चलने के लिए निकला था । अब सोसाइटी में रहते विरदेवसिंह नवलसिंह सरवैया वहां आ गये थे । उन्होंने सोसाइटी में छोटे बच्चे खेलते थे, वहां उनको खेलने से मना किया था ।

जहां उन्होंने कुत्ते को लेकर आये ११ वर्ष के बच्चे को पीटा था । इसका कान खींचकर तथा जमीन पर गिरा दिया था यह घटना सोसाइटी के कैमरे में कैद हुई थी । उन्होंने बच्चे के साथ अमानवीय व्यवहार किया था । इतना ही नहीं यह देखकर आसपास लोग भागकर आये थे । फिर भी विरदेवसिंह नहीं रूका था । यह मामले में उमरा पुलिस ने शिकायत दर्ज करके विरदेवसिंह को हिरासत में लिया गया था । हालांकि, विरदेवसिंह सरकार में ड्यूटी करते मामलतदार विश्वजीत सरवैया के भाई होने का सामने आया है । क्या सरकारी पद के बल पर उसने बच्चे के साथ यह व्यवहार किया?

दीवाली के बाद सूरत में आते लोगों का RT-PCR अनिवार्य

सूरत ।

क्या आप यह दीवाली वेकेशन पर शहर बाहर घूमने का आयोजन कर रहे है क्या आपको वापस आते समय अनिवार्य आरटी-पीसीआर अनिवार्य रूप से बताना पड़ेगा । त्यौहार के दौरान या बाद में कोविड-१९ के केस में वृद्धि होने की संभावना को विफल बनाने के लिए सूरत महानगरपालिका ने वेकेशन पर से वापस आने पर ७२ घंटे के अंदर कराया गया फ्रेश आरटी-पीसीआर रिपोर्ट दिखाने के लिए आदेश मंगलवार को दिया था । हालांकि, बुधवार को एसएमसी के उच्च अधिकारियों ने यह स्पष्टता की थी कि यह नियम विशेष करके गुजरात बाहर जाते लोगों के लिए लागू होगा और गुजरात में घूमते पर्यटकों के लिए नहीं । लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि महानगरपालिका की हेल्थ टीमें अन्य राज्यों से वापस आये लोगों की पहचान किस तरीके से करेगा । पड़ोसी राज्यों में महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश तथा देश के अन्य हिस्से से सूरत स्थायी हुए लाखों लोग दीवाली वेकेशन के लिए अपने वतन जाते है। वह १५ से २० दिन के वेकेशन के बाद वापस आते है और एसएमसी के हेल्थ अधिकारी शहर में अन्य पर्यटकों के अलावा उनके आरटी-पीसीआर रिपोर्ट जांच करने की योजना है । यदि किसी का रिपोर्ट पॉजिटिव आया तो हम यह मरीज को ट्रेक करेंगे और यह व्यक्ति गाइडलाइन का पालन करे इसकी जांच करेंगे । यदि व्यक्ति के पास रिपोर्ट नहीं हुआ तो हम इसकी जानकारी लेंगे और उनका टेस्ट कराएंगे, यह शहर महानगरपालिका के कमिश्नर बंछानिधि पानी ने बताया । ज्यादा पॉजिटिविटी रेट वाले राज्यों में मुलाकात ले रहे लोग कोविड-१९ प्रोटोकोल का पालन करे इसकी जांच के लिए यह अपील की गई है । जबकि वह वापस आये तब इसमें से कौन पॉजिटिव है इसकी हम पहचान कर सकते है यह महानगरपालिका के कमिश्नर ने बताया है । रोड, रेलवे, हवाई और समुद्री मार्ग से आते सभी पर्यटकों को यह अपील के तहत शामिल किया जाएगा यह उन्होंने बताया था ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)